Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 167 | शुक्रवार, 26 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

यूपी में भाजपा ने कसी चुनावी कमर: नई टीम में राजनाथ सिंह के बेटे और कई युवा चेहरे शामिल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले संगठन में एक अहम बदलाव करते हुए, भारतीय जनता पार्टी (इखढ) की उत्तर प्रदेश इकाई ने पंकज चौधरी के नेतृत्व में अपनी नई राज्य संगठन टीम की घोषणा की है। यह फैसला दिल्ली और लखनऊ में हुई कई अहम बैठकों के बाद लिया गया, जिनमें राज्य में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा हुई। इन नामों को इखढ के शीर्ष नेतृत्व ने मंजूरी दी।

नई घोषित राज्य संगठन टीम, अहम विधानसभा चुनावों से पहले जमीनी स्तर पर नेटवर्क को मजबूत करने और चुनावी तैयारियों को बेहतर बनाने की पार्टी की रणनीति को दशार्ती है। उत्तर प्रदेश BJP की ओर से जारी सूची के अनुसार, नई टीम में 19 उपाध्यक्ष और आठ महासचिव शामिल हैं। प्रमुख नियुक्तियों में, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह को राज्य का उपाध्यक्ष बनाया गया है। पूर्व मंत्री सुरेश राणा, अर्चना मिश्रा और पूजा पाल को भी उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

संगठन में यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब BJP 2029 के लोकसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने से पहले उत्तर प्रदेश के अहम विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रही है। संजय राय को फिर से राज्य महासचिव नियुक्त किया गया है, जबकि बीजेपी विधायक राजेश चौधरी को भी यही ज़िम्मेदारी दी गई है। रोहित मिश्रा को पार्टी की युवा शाखा, भारतीय जनता युवा मोर्चा (BJYM) का अध्यक्ष बनाया गया है। अलग-अलग इलाकों और सामाजिक समूहों में संगठन को मजबूत करने की बड़ी कोशिश के तहत, बीजेपी ने अभिजात मिश्रा, शंकर लोधी और दिलीप पटेल को भी राज्य महासचिव नियुक्त किया है। इसी के साथ, पार्टी ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में संगठन से जुड़े कामों को देखने के लिए छह क्षेत्रीय अध्यक्षों के नामों का ऐलान किया। विनोद राय को गोरखपुर, अवधेश द्विवेदी को अवध क्षेत्र और अशोक चौरसिया को काशी का क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। रामकिशोर साहू कानपुर क्षेत्र की कमान संभालेंगे, नवाब सिंह नगर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ज़िम्मेदारी दी गई है, जबकि पूरन लोधी को ब्रज का क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

श्रीराम मंदिर दान विवाद: दो आरोपी गिरफ्तार, 8 लोगों के खिलाफ दर्ज एफआईआर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

अयोध्या। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में दान की रकम के गबन से जुड़े आरोपों को लेकर गुरुवार को 8 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई। वहीं, अब इस मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गुरुवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रमाशंकर यादव, अनुकल्प मिश्र, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, लवकुश मिश्र, रमाशंकर मिश्र, सुभाष श्रीवास्तव और मनीष कुमार यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार चोरी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक षड़यंत्र समेत विभिन्न आरोपों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मामला दर्ज किया गया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या के ही थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मंदिर ट्रस्ट ने ये एफआईआर, एसआईटी की प्राथमिक जांच रिपोर्ट के आधार पर दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर मामला दर्ज हुआ है। विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच रिपोर्ट के आधार पर दर्ज मुकदमे में अनुकल्प मिश्रा और टिन्नू यादव को नामजद किया गया है। इससे दो दिन पहले मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार को सौंपी थी।

विहिप ने एफआईआर दर्ज किये जाने का स्वागत किया

विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने अयोध्या में राम मंदिर में दिये गये दान और चढ़ावे में गबन के मामले को लेकर गुरुवार को मुकदमा दर्ज किये जाने का स्वागत किया। विहिप के अध्यक्ष आलोक कुमार ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, 'हम मुकदमा दर्ज किये जाने का स्वागत करते हैं। हम यह उम्मीद भी करते हैं कि इस मामले में जांच तेजी से होगी और दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिलेगी।' आलोक कुमार ने कहा कि इस विवाद से हिंदुओं की भावनाएं आहत हुई। वीएचपी अध्यक्ष ने कहा, 'मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को जैसे ही एसआईटी की रिपोर्ट में आरोपियों के नाम पता चले, उसने मुकदमा दर्ज कराने में जरा भी देर नहीं की।' मुकदमे में सिर्फ मामूली आरोपियों के ही नाम होने के आरोपों के बारे में आलोक कुमार ने कहा कि पुलिस जांच का दायरा सिर्फ एफआईआर में बताए गए नामों तक सीमित नहीं होता। उन्होंने कहा, 'जांच के दौरान अगर दूसरों की भूमिका सामने आती है तो पुलिस जांच का दायरा बढ़ाने और उनसे भी पूछताछ करने के लिए आजाद है बल्कि ऐसा करना उसका फर्ज है।'

पासपोर्ट यात्रा का दस्तावेज है, नागरिकता का नहीं: विदेश मंत्रालय का बड़ा स्पष्टीकरण

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। 14वें 'पासपोर्ट सेवा दिवस' के अवसर पर विदेश मंत्रालय (MEA) ने एक बेहद महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी किया है। मंत्रालय ने साफ किया है कि पासपोर्ट मुख्य रूप से एक 'यात्रा दस्तावेज' (Travel Document) है, न कि नागरिकता साबित करने वाला अंतिम दस्तावेज। हालांकि नियमतः पासपोर्ट केवल भारतीय नागरिकों को ही जारी किया जाता है, लेकिन विदेश मंत्रालय के इस बयान ने अब एक नई कानूनी और प्रशासनिक बहस को जन्म दे दिया है। इस घोषणा के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व में ट्विटर) पर इस बात को लेकर लंबी बहस छिड़ गई है कि यदि पासपोर्ट, वोटर आईडी और अन्य मुख्य दस्तावेज नागरिकता के पक्के सबूत नहीं हैं, तो भारत में नागरिकता का अंतिम और अकाट्य प्रमाण क्या है? इस विषय पर केंद्र सरकार ने अभी तक कोई पूरी तरह स्पष्ट और एकल रुख नहीं अपनाया है।

'पासपोर्ट नागरिकता का सबूत नहीं'

बुधवार को टएअ ने कहा कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा के दस्तावेज हैं जिन्हें सरकार अंतरराष्ट्रीय यात्रा को आसान बनाने के लिए जारी करती है। इसका मतलब है कि सिर्फ.पासपोर्ट होने से नागरिकता साबित नहीं होती। यह स्थिति की विडंबना को भी दिखाता है क्योंकि पासपोर्ट गैर-नागरिकों को जारी नहीं किए जाते।

इंडिया टुडे ग्रुप के कंसल्टिंग एडिटर बीवी राव ने इस लेख में इसे बहुत अच्छे से समझाया है। असल में, पासपोर्ट मिलने का मतलब यह नहीं है कि वह आपका है। पासपोर्ट के पिछले हिस्से पर लिखा होता है कि यह 'भारत सरकार की संपत्ति' है और सरकार के आदेश पर इसे वापस करना होगा। इस साल की शुरूआत में, वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (SIR) पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आधार नागरिकता का पक्का सबूत नहीं है। यह सिर्फ.पहचान का दस्तावेज है। वोटर ID कार्ड को भी नागरिकता का दस्तावेज नहीं माना जाता। यह मुख्य रूप से पहचान और पते का दस्तावेज है और चुनाव के दौरान वोट डालने की सुविधा देता है। नागरिकता कानूनों के तहत, अगर कोई व्यक्ति 26 जनवरी 1950 को या उसके बाद, लेकिन 1 जुलाई 1987 से पहले देश में पैदा हुआ है, तो वह जन्म से भारतीय है। अब, अगर कोई व्यक्ति जुलाई 1987 के बाद पैदा हुआ है, तो वह नागरिकता का दावा कर सकता है अगर उसके माता-पिता में से कोई एक नागरिक था। 3 दिसंबर 2004 को या उसके बाद पैदा हुए लोग जन्म के आधार पर नागरिकता का दावा तभी कर सकते हैं जब उनके माता-पिता दोनों भारतीय हों, या एक माता-पिता नागरिक हों और दूसरा जन्म के समय अवैध प्रवासी न हो।

सरकार ने जारी किए आंकड़े

बुधवार को MEA ने भारत के पासपोर्ट सेवा नेटवर्क के विस्तार और कई उपलब्धियों का ज़िक्र किया, जिसमें चिप-इनेबल्ड ई-पासपोर्ट की सफल शुरूआत भी शामिल है। टएअ के एक अधिकारी ने बताया, '2025 में 1.5 करोड़ पासपोर्ट और उससे जुड़ी सेवाएं दी गईं, जिनमें से अकेले पासपोर्ट की संख्या 1.39 करोड़ थी।'

इसके अलावा, MEA ने बताया कि पासपोर्ट जारी करने में लगने वाले औसत समय में भी सुधार हुआ है; पुलिस वेरिफिकेशन में लगने वाले समय को छोड़कर, पासपोर्ट अब छह कामकाजी दिनों के भीतर मिल जाते हैं।

कलकत्ता गोदाम हादसा: मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हुई, पीएम मोदी ने मुआवजे का एलान किया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम कोलकाता के तारातला इलाके में बुधवार दोपहर तीन मंजिला निमार्णाधीन गोदाम ढह गया। हादसे में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। मलबे से निकाले गए 20 लोगों का अस्पताल में इलाज जारी है। इनमें कई की हालत गंभीर है। अभी भी कई लोग मलबे में फंसे हुए हैं और उन्हें निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान जारी है। मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है।

पीएम ने जताया दुख, मुआबजे का एलान भी किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये देने की घोषणा की है। इसके अलावा, घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। राज्य सरकार भी पीड़ितों की मदद के लिए पूरी ताकत लगा रही है।

इमारत का ढांचा अचानक भरभराकर नीचे गिरा

हादसे के समय वहां कई लोग काम कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इसी दौरान इमारत का ढांचा अचानक भरभराकर नीचे आ गिरा। मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए राहत बचाव की टीमें दिन-रात काम कर रही हैं। बचाव कार्य के दौरान एक शख्स की दर्दभरी पुकार ने सबको भावुक कर दिया। वह अपनी जान बचाने के लिए अपना पैर तक कटवाने को तैयार था। रेस्क्यू टीम ने उसे सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

मामले में कई लोग गिरफ्तार

पुलिस ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की है। लापरवाही बरतने के आरोप में बिल्डिंग सुपरवाइजर सैयद मोहम्मद गुलजार और दो लेबर सप्लायर मोहम्मद अताउल और सुभाष चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अस्पताल में घायलों की देखभाल के लिए विशेषज्ञों की एक विशेष टीम बनाई गई है। इसमें न्यूरोलॉजी और हड्डी रोग विशेषज्ञों को शामिल किया गया है ताकि घायलों को सही इलाज मिल सके।

प्रियांक खड़गे का तीखा हमला, पूछा- आरएसएस पर सवाल से क्यों तिलमिलाती है बीजेपी?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को भाजपा का मजाक उड़ाते हुए कहा कि वह सिर्फ.आरएसएस के इशारे पर काम करती है। खड़गे और आरएसएस के बीच आरएसएस के संवैधानिक और वित्तीय नियमों के पालन को लेकर स्पष्टता की मांग को लेकर खींचतान चल रही है।

पर एक पोस्ट में खड़गे ने दावा किया कि जब भी कोई आरएसएस पर सवाल उठाता है, तो भाजपा अपना आपा खो देती है और फन फैलाकर पलटवार करती है। उन्होंने पूछा कि जिस संगठन का आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं था, वह अब देश को देशभक्ति का पाठ क्यों पढ़ाता है, और नागपुर में आरएसएस मुख्यालय पर तिरंगा फहराने में 52 साल क्यों लग गए? उन्होंने कहा कि इन दोनों ही सवालों पर भाजपा का रिएक्शन बचाव वाला होता है।

खरगे ने कहा कि जब भी आरएसएस की जांच-पड़ताल होती है, तो भाजपा घबरा जाती है और हर बार बचाव की मुद्रा में आ जाती है। उन्होंने कई सवाल उठाए, जिन पर हमेशा ऐसी ही प्रतिक्रिया मिलती है: जैसे कि एक ऐसा संगठन, जो खरगे के दावे के मुताबिक आजादी की लड़ाई से दूर रहा, वह अब खुद को देशभक्ति का सबसे बड़ा पैरोकार क्यों बताता है? और आरएसएस के नागपुर मुख्यालय पर तिरंगा फहराने में लगभग पाँच दशक क्यों लग गए?

खरगे ने आगे यह भी पूछा कि आरएसएस असल में किस संविधान को मानता है-बाबासाहेब अंबेडकर वाले संविधान को, या उस संविधान को जिसे वे खुद लिखना चाहते थे? साथ ही, उन्होंने आरोप लगाया कि यह संगठन न तो खुद को रजिस्टर करवाता है और न ही टैक्स भरता है। उन्होंने पर कहा कि फर को चुनौती देने पर BJP भड़क जाती है।

जब भी कोई फर पर सवाल उठाता है, BJP अपना आपा खो देती है। अगर आप पूछें कि जिस संगठन ने आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं दिया, वह अब देश को देशभक्ति का पाठ क्यों पढ़ाता है, तो BJP भड़क जाती है।

उन्होंने कहा कि अगर आप पूछें कि नागपुर में तिरंगा फहराने में 52 साल क्यों लगे, तो BJP भड़क जाती है। अगर आप पूछें कि वे असल में किस संविधान को मानते हैं - बाबासाहेब वाले को या उस संविधान को जो वे खुद लिखना चाहते थे - तो BJP भड़क जाती है।

अगर आप पूछें कि वे खुद को रजिस्टर क्यों नहीं करवाते और टैक्स क्यों नहीं देते, तो BJP भड़क जाती है। अगर आप फर से कहें कि वह अपनी ही बातों पर अमल करे, तो BJP भड़क जाती है। BJP हमेशा से फर का जरिया रही है, सिर्फ.उसकी सहयोगी नहीं। हर बार जब वे भड़कते हैं, तो इससे बस यही साबित होता है।

किसान के बाद छात्र भी 'आतंकवादी': राहुल गांधी बोले, धर्मेंद्र प्रधान माफी मांगें

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की कड़ी आलोचना करते हुए उन पर छात्रों का अपमान करने का आरोप लगाया और देश के युवाओं से माफी मांगने और इस्तीफा देने की मांग की। पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में, गांधी ने दावा किया कि मोदी सरकार अहंकारी हो गई है और उन छात्रों को निशाना बना रही है जो अपने अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षाओं और रोजगार के मौकों की मांग कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि सत्ता के अहंकार में डूबी मोदी सरकार अब उस मुकाम पर पहुँच गई है जहाँ शिक्षा मंत्री उन छात्रों को 'आतंकवादी' कह रहे हैं, जो बस अपने अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षाओं और सुरक्षित भविष्य की मांग कर रहे हैं। गांधी ने परीक्षा के पेपर बार-बार लीक होने और शिक्षा व्यवस्था की नाकामियों जैसे मुद्दों पर जोर दिया, जिनका लाखों छात्रों के भविष्य पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि जरा सोचिए - जिसकी नाकामियों की वजह से इतने सारे पेपर लीक हुए, जिसके शासन में 20 बच्चों की जान चली गई, जिसने लाखों युवाओं का भविष्य अंधेरे में धकेल दिया - वही आज परेशान बच्चों और आवाज उठाने वालों को 'आतंकवादी' कह रहा है। लेकिन यह कोई नई बात नहीं है: देश का पेट भरने वाले किसानों को 'पेशेवर आंदोलनकारी और परजीवी' कहा गया।

सीएम विजय ने विधानसभा में उड़ाया स्टालिन का मजाक, जवाब में डीएमके प्रमुख ने किया तगड़ा पलटवार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु की राजनीति में इन दिनों मुख्यमंत्री विजय और द्रमुक नेता एमके स्टालिन के बीच छिड़ी टकराहट ने राज्य की राजनीति के तापमान को बढ़ा दिया है। विधानसभा के भीतर शुरू हुई यह जुबानी जंग अब जनता और सोशल मीडिया तक पहुंच चुकी है। आरोप, व्यंग्य, अभिनय शैली, हाथ के इशारे और कटाक्षों के बीच यह संघर्ष केवल दो नेताओं की व्यक्तिगत भिडंत नहीं रह गया, बल्कि तमिलनाडु की बदलती राजनीति का संकेत भी बन गया है।

हम आपको बता दें कि विवाद की शुरूआत विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान हुई। मुख्यमंत्री विजय ने अपने पुराने फिल्मी अंदाज में एक छोटी कहानी सुनाते हुए विपक्ष और खास तौर पर द्रमुक पर निशाना साधा। उन्होंने चुनावी हार का जिक्र करते हुए विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन पर तंज कसा और कहा कि उनके पिता दिखाई नहीं दे रहे हैं। विजय का यह व्यंग्य सीधे एमके स्टालिन पर था, जो विधानसभा में मौजूद नहीं थे। विजय का यह हमला केवल राजनीतिक टिप्पणी नहीं था, बल्कि इस दौरान उन्होंने जिस प्रकार का अभिनय किया उसने द्रमुक को चिढ़ा दिया। भाषण के दौरान मुख्यमंत्री विजय ने वही हाथ का इशारा दोहराया जो हाल के महीनों में स्टालिन से जोड़ा जाता रहा है और जो पहले ही राजनीतिक मीम बन चुका था। यह दृश्य कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। द्रमुक विधायकों ने विजय के भाषण का विरोध करते हुए सदन से बहिर्गमन भी किया, लेकिन मुख्यमंत्री ने अपना भाषण जारी रखा। वहीं एमके स्टालिन ने भी पलटवार करने में देर नहीं लगाई। तिरुवारुर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा में रहें या न रहें, वह जनता के मन में हमेशा मौजूद रहेंगे। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर किसी को उन्हें देखना है तो सचिवालय की उन फाइलों में देखे जहां कलैञर अधिकार योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं दर्ज हैं। स्टालिन ने यह भी कहा कि राजनीति को अभिनय का मंच नहीं बनाया जाना चाहिए। स्टालिन ने विजय पर विधानसभा की गरिमा घटाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का भाषण जनहित के मुद्दों से ज्यादा फिल्मी प्रस्तुति जैसा था। उन्होंने कहा कि बिजली कटौती, किसानों की समस्याएं, कानून व्यवस्था और चुनावी वादों जैसे गंभीर सवालों पर कोई ठोस जवाब नहीं दिया गया। स्टालिन ने यह आरोप भी लगाया कि विजय ने किसानों के आंदोलनों को विपक्ष के उकसावे से प्रेरित बताकर किसानों का अपमान किया है। द्रमुक नेता ने विधानसभा की कार्यवाही के फिल्मांकन पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि विधानसभा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री के भाषण को एक ही दृश्य में बिना व्यवधान के रिकॉर्ड होने दिया, मानो विधानसभा की कार्यवाही नहीं बल्कि किसी फिल्म की शूटिंग चल रही हो। स्टालिन ने विजय को सलाह दी कि वह अभिनेता की छवि से बाहर निकलकर मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी निभाएं। देखा जाये तो यह टकराव केवल व्यक्तिगत बयानबाजी तक सीमित नहीं है। इसके पीछे तमिलनाडु की राजनीति में उभरती नई शक्ति संतुलन की कहानी छिपी हुई है।

संपादक की कलम से

प्रतिभा पलायन नही प्रतिभा आमंत्रण(ब्रेन-ड्रेन नही ब्रेन-गेन) का देश बनाना होगा

ललित शर्मा
संपादक

भारत की युवा प्रतिभाएँ देश को विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने का प्रयास करें। भारत सदियों से ज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान का वैश्विक केंद्र रहा है। नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला और पाटलिपुत्र जैसे विश्वविद्यालयों में विश्व के विभिन्न देशों से विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने आते थे। भारतीय ज्ञान परंपरा ने विश्व को दिशा दी है। किंतु विडंबना यह है कि आज भारत के लाखों प्रतिभाशाली छात्र और युवा उच्च शिक्षा तथा रोजगार के लिए विदेशों का रुख कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति 'ब्रेन ड्रेन' अथवा प्रतिभा पलायन के रूप में देश के समक्ष एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। भारत सरकार और समाज दोनों ही शिक्षा पर भारी निवेश करते हैं। विशेष रूप से आईआईटी, आईआईएम, एम्स, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान तथा अन्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की शिक्षा पर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों रुपये व्यय किए जाते हैं। किंतु जब यही प्रतिभाएँ उच्च वेतन, बेहतर जीवनशैली और वैश्विक अवसरों के आकर्षण में विदेशों में स्थायी रूप से बस जाती हैं, तब उनके ज्ञान और कौशल का लाभ भारत के बजाय विदेशी अर्थव्यवस्थाओं को प्राप्त होता है। पिछले एक दशक में विदेश जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 में ही लगभग 7.6 लाख भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर भारतीय छात्रों के प्रमुख गंतव्य बने हुए हैं। यदि भारतीय प्रवासी समुदाय की बात करें तो आज लगभग 1.85 से 1.90 करोड़ भारतीय मूल के लोग विभिन्न देशों में रह रहे हैं। इनमें सर्वाधिक संख्या संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब में कार्यरत भारतीयों की है। प्रतिभा पलायन का एक पक्ष चिंताजनक अवश्य है, किंतु इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि विदेशों में कार्यरत भारतीय अपने परिश्रम से भारत की अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ बना रहे हैं। वर्ष 2024 में भारतीय प्रवासियों ने भारत को लगभग 137 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक) की विदेशी मुद्रा प्रेषित की, जिससे भारत विश्व का सबसे बड़ा रेमिटेंस प्राप्त करने वाला देश बना। फिर भी प्रश्न यह है कि यदि यही प्रतिभाएँ भारत में रहकर अनुसंधान, नवाचार, उद्योग, चिकित्सा, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता के क्षेत्र में योगदान दें, तो देश की प्रगति कहीं अधिक तीव्र हो सकती है। भारत को केवल विदेशी मुद्रा नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुसंधान, पेटेंट, उद्योग और रोजगार सृजन की भी आवश्यकता है। भारत सरकार ने देश को पुनः वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने की दिशा में अनेक पहलें की हैं। 'स्टडी इन इंडिया' कार्यक्रम तथा आसियान देशों के विद्यार्थियों के लिए एक हजार पीएच.डी. फैलोशिप की योजना इसी उद्देश्य से प्रारंभ की गई थी, ताकि विदेशी छात्र भारत में आकर उच्च शिक्षा प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त 'प्रोजेक्ट डेस्टिनेशन इंडिया' के माध्यम से विदेशी छात्रों के प्रवेश, वीजा और अध्ययन संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि भारत केवल छात्रों को विदेश भेजने वाला देश न रहकर, विश्वभर के विद्यार्थियों को आकर्षित करने वाला शिक्षा केंद्र बने। हालाँकि अभी भी अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं। विदेशी छात्र भारत में प्रदूषण, अत्यधिक गर्मी, लंबी प्रशासनिक प्रक्रियाओं तथा भारतीय डिग्रियों की सीमित वैश्विक मान्यता जैसी समस्याओं का उल्लेख करते हैं।

राम मंदिर लूट: भाजपा की साख दांव पर

एन0के0शर्मा
लेखक

राम केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं हैं; वे भारतीय जनमानस की आत्मा, मर्यादा, न्याय, त्याग और धर्माधिष्ठित शासन की उस अवधारणा के प्रतिनिधि हैं, जिसने सदियों से करोड़ों लोगों के जीवन को दिशा दी है। राम मंदिर केवल पत्थरों, स्तंभों और शिल्पकला का एक भव्य निर्माण नहीं, बल्कि उन असंख्य लोगों की श्रद्धा, तप, संघर्ष, बलिदान और भावनात्मक आस्था का जीवंत स्मारक है, जिन्होंने इसे राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक माना। ऐसे में यदि राम मंदिर से जुड़ी किसी भी परियोजना, निर्माण, खरीद, ठेके, भूमि, दान या प्रशासनिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार, अनियमितता, वित्तीय अपारदर्शिता या सार्वजनिक विश्वास के साथ छल के आरोप उठते हैं, तो यह केवल एक आर्थिक अपराध नहीं रह जाता, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर गंभीर आघात बन जाता है।

आस्था का सबसे बड़ा शत्रु वह नहीं होता जो मंदिर के बाहर खड़ा होकर उसका विरोध करता है, बल्कि वह होता है जो मंदिर के भीतर प्रवेश कर श्रद्धा को अपनी निजी संपत्ति समझने लगता है। इतिहास गवाह है कि जब भी धर्म के नाम पर सत्ता, धन और प्रभाव का दुरुपयोग हुआ है, तब समाज के भीतर सबसे गहरी निराशा और आक्रोश उत्पन्न हुआ है। जनता राजनीतिक विरोधियों की आलोचना को कभी-कभी नजरअंदाज कर सकती है, लेकिन वह अपनी श्रद्धा के साथ हुए छल को आसानी से नहीं भूलती। यदि किसी भी स्तर पर राम मंदिर से संबंधित संसाधनों के दुरुपयोग, भ्रष्टाचार, पक्षपात, कमीशनखोरी या अनियमितताओं के आरोप सत्य सिद्ध होते हैं, तो यह केवल किसी व्यक्ति या समूह का अपराध नहीं माना जाएगा। इसका प्रभाव व्यापक होगा।

इससे उन लाखों लोगों का विश्वास भी प्रभावित होगा जिन्होंने राम मंदिर को एक राष्ट्रीय सांस्कृतिक उपलब्धि के रूप में देखा है। इसलिए किसी भी आरोप की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा जनविश्वास दोनों के लिए आवश्यक है। राजनीतिक दृष्टि से भी यह विषय अत्यंत संवेदनशील है। जिस दल ने स्वयं को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, धार्मिक आस्था और राम के आदर्शों से जोड़ा है, उसके लिए यह प्रश्न केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि नैतिक और वैचारिक उत्तरदायित्व का विषय बन जाता है। जनता किसी भी राजनीतिक दल का मूल्यांकन केवल उसके भाषणों से नहीं, बल्कि उसके आचरण और जवाबदेही से करती है। यदि आस्था के नाम पर जुटाए गए संसाधनों में भ्रष्टाचार की छाया दिखाई देती है, तो उसका प्रभाव केवल चुनावी गणित तक सीमित नहीं रहता; वह विश्वास की उस नींव को कमजोर कर सकता है जिस पर वर्षों की राजनीतिक और सामाजिक स्वीकार्यता निर्मित होती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब भ्रष्टाचार के आरोपों को राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता कहकर खारिज कर दिया जाता है और तथ्यों की जांच से बचने का प्रयास किया जाता है। किसी भी लोकतंत्र में आरोपों का उत्तर आरोप नहीं, बल्कि पारदर्शिता होती है। यदि सब कुछ सही है तो खुली जांच से सत्य और अधिक मजबूत होकर सामने आएगा। लेकिन यदि कहीं भी अनियमितता है, तो उसे छिपाना स्वयं अपराध को और गंभीर बना देता है। धर्म के नाम पर भ्रष्टाचार सामान्य वित्तीय घोटालों से अधिक घातक इसलिए माना जाता है क्योंकि इसमें केवल धन की चोरी नहीं होती, बल्कि विश्वास की चोरी होती है। एक सड़क, पुल या भवन में भ्रष्टाचार जनता के संसाधनों की क्षति है; किंतु किसी पवित्र धार्मिक परियोजना में भ्रष्टाचार जनता की आत्मिक भावनाओं के साथ विश्वासघात बन जाता है। यह वह अपराध है जो लोगों के मन में व्यवस्था, राजनीति और संस्थाओं के प्रति गहरा अविश्वास पैदा कर सकता है।

आज आवश्यकता किसी राजनीतिक बचाव की नहीं, बल्कि नैतिक साहस की है। यदि किसी व्यक्ति, अधिकारी, ठेकेदार, प्रबंधक या प्रभावशाली तत्व ने राम के नाम पर एकत्रित संसाधनों का दुरुपयोग किया है, तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए। जांच एजेंसियों को पूर्ण स्वतंत्रता, न्यायिक निगरानी और सार्वजनिक पारदर्शिता के साथ कार्य करना चाहिए। दोषी चाहे कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो, उसे उत्तरदायित्व से बचने का अवसर नहीं मिलना चाहिए। कानून की दृष्टि में आस्था की लूट करने वाला व्यक्ति उतना ही नहीं, बल्कि कई दृष्टियों से अधिक गंभीर अपराधी माना जा सकता है क्योंकि उसने लोगों की श्रद्धा को लाभ कमाने का साधन बनाया। राम का नाम सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मानुशासन और नैतिक उत्तरदायित्व का स्मरण है। यदि राम के आदर्शों का वास्तविक सम्मान करना है, तो सबसे पहले राम के नाम पर होने वाली किसी भी संभावित अनियमितता को कठोरता से रोकना होगा। धर्म का सम्मान तभी सुरक्षित रह सकता है जब धर्म के नाम पर भ्रष्टाचार करने वालों को संरक्षण नहीं, दंड मिले। यह समय किसी भी प्रकार के अंधसमर्थन या अंधविरोध का नहीं है। यह समय सत्य, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व का है। यदि आरोप निराधार हैं तो उन्हें तथ्यों के आधार पर खारिज किया जाए। यदि आरोप सत्य हैं तो दोषियों को कानून के अनुसार कठोर दंड दिया जाए। यही न्याय है, यही धर्म है और यही लोकतांत्रिक मर्यादा भी। किसी भी राष्ट्र की शक्ति उसके मंदिरों की ऊंचाई से नहीं, बल्कि उन मंदिरों से जुड़े विश्वास की पवित्रता से मापी जाती है। पत्थरों का पुनर्निर्माण संभव है, लेकिन एक बार टूटा हुआ विश्वास पुनः स्थापित करने में पीढ़ियां लग जाती हैं। इसलिए जो भी व्यक्ति, संस्था या तंत्र जनता की आस्था को निजी लाभ का साधन बनाने का दुस्साहस करता है, उसे यह समझ लेना चाहिए कि वह केवल कानून का नहीं, बल्कि समाज की नैतिक चेतना का भी अपराधी है। और किसी सभ्य राष्ट्र में आस्था की लूट करने वालों के लिए न संरक्षण होना चाहिए, न बहाना, न राजनीतिक शरण-केवल निष्पक्ष जांच, न्याय और कठोर दंड।

आर्थिक स्वार्थ की राजनीति: क्या दुनिया अब विचारधारा नहीं, लाभ-हानि के तराजू पर चल रही है?

किशन भावनानी
लेखक

वैश्विक स्तर पर दुनियाँ बदल रही है। कभी अंतरराष्ट्रीय राजनीति का आधार विचारधारा नैतिकता,लोकतंत्र मानवाधिकार या वैश्विक सहयोग को माना जाता था, लेकिन आज विश्व व्यवस्था का वास्तविक केंद्र आर्थिक हित बन चुका है। अब देशों के निर्णय इस बात से कम प्रभावित होते हैं कि क्या सही है और क्या गलत, बल्कि इस बात से अधिक तय होते हैं कि क्या लाभदायक है और क्या नुकसानदायक। यही कारण है कि वैश्विक सहयोग की जगह प्रतिस्पर्धा, साझेदारी की जगह रणनीतिक सौदेबाजी और एकजुटता की जगह गुटबाजी का वातावरण लगातार मजबूत होता दिखाई दे रहा है। भारत के प्रधानमंत्री द्वारा यह कहा जाना कि 'आज दुनिया में आर्थिक स्वार्थ वाली राजनीति हो रही है' वास्तव में आधुनिक विश्व राजनीति की सबसे सटीक व्याख्या प्रतीत होती है। यह केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था की वास्तविकता का प्रतिबिंब है। यदि आज दुनियाँ की प्रमुख घटनाओं पर नजर डाली जाए तो स्पष्ट दिखाई देता है कि लगभग हर बड़ी शक्ति अपनी विदेश नीति, कूटनीति, सैन्य रणनीति और व्यापारिक संबंधों को आर्थिक लाभ के चश्मे से देख रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस प्रवृत्ति का सबसे बड़ा उदाहरण 2022 से जारी रूस-यूक्रेन वह लंबे समय से चलने वाला ईरान अमेरिका इजरायल युद्ध है। सतह पर इसे लोकतंत्र और संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष बताया जाता है,लेकिन इसके पीछे ऊर्जा संसाधनों, हथियारों के बाजार, भू-राजनीतिक प्रभाव और वैश्विक शक्ति संतुलन की जटिल प्रतिस्पर्धा भी मौजूद है। यूरोप की ऊर्जा निर्भरता, अमेरिका के रणनीतिक हित और रूस की संसाधन-आधारित शक्ति इस संघर्ष को केवल सैन्य युद्ध नहीं बल्कि आर्थिक वर्चस्व की लड़ाई भी बनाते हैं। इस युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक दुनिया में युद्ध केवल सीमाओं के लिए नहीं, बल्कि बाजारों, संसाधनों और प्रभाव क्षेत्रों के लिए भी लड़े जाते हैं।

साथियो, अमेरिका की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति इस आर्थिक राष्ट्रवाद का सबसे स्पष्ट उदाहरण रही है। चाहे चीन पर भारी टैरिफ लगाना हो, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को पुनर्गठित करना हो या घरेलू उद्योगों को संरक्षण देना हो, हर कदम का उद्देश्य अमेरिकी आर्थिक शक्ति को मजबूत करना रहा है। बदलते प्रशासन के बावजूद मूल नीति यही बनी रही कि राष्ट्रीय हित और आर्थिक सुरक्षा सर्वोपरि हैं। आज तकनीक, व्यापार और निवेश के क्षेत्र में अमेरिका की अधिकांश रणनीतियाँ इसी सोच को प्रतिबिंबित करती हैं।

साथियों, दूसरी ओर चीन ने आर्थिक विस्तार को अपनी वैश्विक शक्ति का प्रमुख आधार बनाया है। एशिया, अफ्रीका और यूरोप में विशाल निवेश परियोजनाओं के माध्यम से उसने न केवल नए बाजारों तक पहुंच बनाई बल्कि अपने राजनीतिक प्रभाव का भी विस्तार किया। चीन की रणनीति यह दशार्ती है कि आधुनिक युग में आर्थिक ताकत ही राजनीतिक ताकत का सबसे बड़ा स्रोत बन चुकी है। समुद्री मार्गों, खनिज संसाधनों और उन्नत तकनीकों पर नियंत्रण की उसकी कोशिशें इसी दीर्घकालिक सोच का हिस्सा हैं।

साथियों, यूरोप स्वयं को मानवाधिकार, लोकतंत्र और पर्यावरण संरक्षण का समर्थक बताता है, लेकिन आर्थिक हितों के सामने उसके आदर्श भी कई बार चुनौती का सामना करते हैं। वर्षों तक रूस की सस्ती गैस पर निर्भर रहना इसका प्रमुख उदाहरण है। यूक्रेन युद्ध के बाद ऊर्जा संकट ने यह दिखा दिया कि नैतिक सिद्धांत और आर्थिक आवश्यकताएँ अक्सर एक-दूसरे से टकराती हैं। यही कारण है कि आज यूरोप को अपनी नीतियों में संतुलन साधने की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

साथियो, रूस की राजनीति भी आर्थिक संसाधनों के इर्द-गिर्द घूमती दिखाई देती है। तेल, गैस, खनिज और हथियार उद्योग उसकी वैश्विक शक्ति के प्रमुख स्तंभ हैं। ऊर्जा आपूर्ति को कूटनीतिक हथियार के रूप में उपयोग करने की उसकी रणनीति ने यह साबित किया है कि प्राकृतिक संसाधन आज भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। आधुनिक विश्व में ऊर्जा सुरक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है जितनी कभी सैन्य सुरक्षा मानी जाती थी।

साथियो, भारत ने इस बदलती दुनिया में अपेक्षाकृत संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारत ने अपने ऊर्जा हितों को प्राथमिकता देते हुए सस्ते तेल की खरीद जारी रखी, वहीं अमेरिका और यूरोप के साथ तकनीकी एवं व्यापारिक संबंधों को भी मजबूत किया। यह रणनीति दशार्ती है कि आज का भारत किसी एक गुट का हिस्सा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को केंद्र में रखकर निर्णय लेना चाहता है। 'आत्मनिर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया' और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे कार्यक्रम भी इसी आर्थिक आत्मविश्वास की अभिव्यक्ति हैं।मध्य-पूर्व की राजनीति भी आर्थिक स्वार्थ और रणनीतिक हितों का उत्कृष्ट उदाहरण है। तेल और गैस के विशाल भंडारों ने इस क्षेत्र को दशकों से वैश्विक राजनीति का केंद्र बनाए रखा है। क्षेत्रीय संघर्षों, गठबंधनों और कूटनीतिक समीकरणों के पीछे ऊर्जा मार्गों और संसाधनों पर नियंत्रण की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि विश्व की लगभग हर बड़ी शक्ति इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बनाए रखना चाहती है।

साथियों, अफ्रीका आज नई वैश्विक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनता जा रहा है। लिथियम, कोबाल्ट और अन्य दुर्लभ खनिजों की बढ़ती मांग ने इसे भविष्य की तकनीकी अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बना दिया है। इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरियों और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए आवश्यक ये संसाधन दुनिया की बड़ी शक्तियों को अफ्रीका की ओर आकर्षित कर रहे हैं। परिणामस्वरूप यह महाद्वीप आर्थिक अवसरों और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा दोनों का केंद्र बन चुका है।तकनीक ने इस आर्थिक राजनीति को और अधिक तीव्र बना दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, 5जी नेटवर्क, साइबर सुरक्षा और डेटा नियंत्रण आज राष्ट्रीय शक्ति के नए मानक बन चुके हैं। अमेरिका और चीन के बीच चल रहा तकनीकी संघर्ष केवल नवाचार की प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि भविष्य की आर्थिक और रणनीतिक श्रेष्ठता की लड़ाई है। अब डेटा को नया तेल और तकनीक को नया हथियार कहा जाने लगा है।जलवायु परिवर्तन की राजनीति भी आर्थिक हितों से अछूती नहीं है। विकसित और विकासशील देशों के बीच कार्बन उत्सर्जन, हरित ऊर्जा और जलवायु वित्त को लेकर चल रही बहस इस बात का प्रमाण है कि पर्यावरणीय मुद्दों के पीछे भी आर्थिक समीकरण गहराई से जुड़े हुए हैं। हर देश चाहता है कि विकास की गति बनी रहे और उसकी आर्थिक प्रतिस्पर्धा प्रभावित न हो। आज की दुनिया में एक कठोर सत्य उभरकर सामने आया है राजनीति का नया ध्रुवतारा आर्थिक स्वार्थ बन चुका है। चाहे अमेरिका की व्यापारिक रणनीतियाँ हों, चीन का वैश्विक विस्तार, रूस की ऊर्जा कूटनीति, यूरोप की नीतिगत दुविधाएँ, भारत का संतुलनकारी दृष्टिकोण या अफ्रीका और मध्य-पूर्व में बढ़ती प्रतिस्पर्धा-हर जगह राष्ट्रीय हितों का केंद्र आर्थिक शक्ति ही है।भविष्य की विश्व व्यवस्था भी संभवतः इसी दिशा में आगे बढ़ेगी, जहाँ मित्रता, विरोध, गठबंधन और संघर्ष सभी का अंतिम निर्धारक आर्थिक लाभ होगा। ऐसे समय में देशों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक विकास हासिल करना नहीं, बल्कि आर्थिक स्वार्थ और वैश्विक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन स्थापित करना होगी। यही संतुलन आने वाले दशकों में विश्व राजनीति की दिशा और मानव सभ्यता के भविष्य को तय करेगा।

चमत्कार?

डॉ. सत्यवान सौरभ

कविता

मूर्तियाँ दूध पिएँ अगर, इसमें नहीं कमाल।
भूखे बच्चे तृप्त हों, होगा तभी धमाल॥

पत्थर दूध उँडेलते, बजते जय-जयकार।
सूखे होंठों से मगर, हार गया संसार॥
दरवाजे भूखा खड़ा, किसको है यह ख्याल-
भूखे बच्चे तृप्त हों, होगा तभी धमाल॥

मंदिर में बहता दूध है, बाहर सूना थाल।
कूड़े में भोजन सड़े, भूखे हैं कंगाल॥
कैसा मानव, कैसा करम, कैसी यह है चाल-
भूखे बच्चे तृप्त हों, होगा तभी धमाल।

पत्थर को भगवान कह, करते खूब प्रणाम।
जीवित मानव भूलकर, करे धर्म का नाम॥
करुणा बिन पूजा सभी, केवल है जंजाल-
भूखे बच्चे मर रहे, किसको है यह ख्याल॥

जिस दिन भूखे पेट भी, पाए रोटी-दाल।
जिस दिन आँसू पोंछ दे, मानवता की ढाल॥
उस दिन कहना हो गया, सच्चा बड़ा कमाल-
भूखे बच्चे मर रहे, किसको है यह ख्याल॥

'सौरभ' धर्म वही बड़ा, जो बाँटे सम्मान।
रोटी, शिक्षा, प्रेम दे, रखे सभी का मान॥
पत्थर से पहले अगर, इंसाँ हो खुशहाल-
भूखे बच्चे तृप्त हों, होगा तभी धमाल॥

मूर्तियाँ दूध पिएँ अगर, कहते उसे कमाल।
भूखे बच्चे मर रहे, किसको है यह ख्याल॥

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

ब्रिटेन की डगमगाती राजनीति: स्टारमर के बाद कौन?

वीरेंद्र बहादुर सिंह
लेखक

ब्रिटेन की राजनीति पिछले एक दशक से लगातार अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। देश में बीते दस वर्षों के दौरान कई प्रधानमंत्री बदल चुके हैं, जिससे यह धारणा मजबूत हुई है कि डाउनिंग स्ट्रीट की कुर्सी पर लंबे समय तक टिके रहना अब आसान नहीं रह गया है। जब कीर स्टारमर प्रधानमंत्री बने थे, तब उम्मीद की जा रही थी कि वे अपना कार्यकाल पूरा करेंगे, लेकिन राजनीतिक परिस्थितियों ने अलग ही दिशा ले ली।

ब्रेक्सिट के बाद से ब्रिटेन आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। कोरोना महामारी ने भी देश की अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका दिया। आज भी महंगाई, बेरोजगारी और करों का बढ़ता बोझ आम नागरिकों की चिंता का प्रमुख कारण बना हुआ है। इन परिस्थितियों का असर राजनीतिक परिदृश्य पर भी स्पष्ट दिखाई देता है। एक समय दुनिया पर प्रभाव रखने वाला ब्रिटेन आज अपनी पुरानी चमक वापस पाने के लिए संघर्ष क्रि रहा है। लंदन की वैश्विक पहचान बरकरार है, लेकिन देश को लंबे समय से ऐसा नेतृत्व नहीं मिल पाया है, जो जनता में नया विश्वास पैदा कर सके। इसी पृष्ठभूमि में स्टारमर के नेतृत्व पर सवाल उठने लगे। स्थानीय चुनावों में लेबर पार्टी के कमजोर प्रदर्शन को स्टारमर के खिलाफ जनता की नाराजगी के संकेत के रूप में देखा गया। कल्याणकारी योजनाओं में कटौती और आर्थिक मोर्चे पर अपेक्षित परिणाम न मिलने से उनके प्रति असंतोष बढ़ता गया। पार्टी के भीतर भी विरोध के स्वर तेज हुए और अनेक सांसदों ने उनके नेतृत्व पर सवाल उठाए। इसी दौरान 'किंग ऑफ द नॉर्थ' के नाम से प्रसिद्ध एंडी बर्नहैम का राजनीतिक कद तेजी से बढ़ा। उत्तरी इंग्लैंड के हितों के लिए मुखर आवाज उठाने वाले बर्नहैम को जनता के बीच मजबूत जनाधार वाला नेता माना जाता है।

उनके समर्थकों का मानना है कि वे लेबर पार्टी को नई दिशा दे सकते हैं। राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद भारत और ब्रिटेन के संबंध मजबूत बने हुए हैं। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर लंबे समय से बातचीत चलती रही है। स्टारमर सरकार ने इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के प्रयास जारी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ब्रिटेन में नेतृत्व परिवर्तन होने पर भी भारत-ब्रिटेन संबंधों पर कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। दोनों देश आर्थिक और रणनीतिक दृष्टि से एक-दूसरे के महत्वपूर्ण साझेदार बने रहेंगे। एंडी बर्नहैम का राजनीतिक कैरियर लंबा और विविध अनुभवों से भरा रहा है। वे सांसद, कैबिनेट मंत्री और मैनचेस्टर के मेयर के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। कोरोना काल में उत्तरी इंग्लैंड के हितों के लिए उनके संघर्ष ने उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिलाई। हालांकि यदि उन्हें राष्ट्रीय नेतृत्व की जिम्मेदारी मिलती है तो चुनौतियां कम नहीं होंगी। सबसे पहले उन्हें अपनी पार्टी के विभिन्न गुटों को साथ लेकर चलना होगा। इसके अलावा महंगाई, बढ़ते कर और आर्थिक सुस्ती से जूझ रही जनता को राहत देना उनकी प्राथमिकता होगी। ब्रिटेन के मतदाता अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं हैं। वे आर्थिक स्थिरता, रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की अपेक्षा रखते हैं। ऐसे में बर्नहैम के लिए अपनी क्षेत्रीय नेता की छवि से आगे बढ़कर पूरे देश के नेता के रूप में खुद को स्थापित करना सबसे बड़ी परीक्षा होगी। कुल मिलाकर, ब्रिटेन की राजनीति एक बार फिर महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। नेतृत्व परिवर्तन से नई उम्मीदें तो जागी हैं, लेकिन यह देखना बाकी है कि नया नेतृत्व देश को राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक मजबूती की दिशा में कितनी दूर तक ले जा पाता है।

सौ दिवसीय सघन टी वी खोजी अभियान की मॉनिटरिंग हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन सलाहकार का हापुड़ ज़िले में भ्रमण

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में भारत सरकार के द्वारा संचालित सौ दिवसीय सघन टी0बी 0खोजी अभियान के अंतर्गत चल रही गतिविधियों की समीक्षा एवं मॉनिटरिंग के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के सलाहकार डॉ अरविंद द्वारा जनपद हापुड़ का भ्रमण किया गया भ्रमण के दौरान सलाहकार ने अभियान के तहत किया जा रहे टी बी स्क्रीनिंग कार्यों संभावित टी बी रोगियों की पहचान नमूना संग्रहण जांच व्यवस्था तथा उपचार सेवाओं का निरीक्षण किया सलाहकार ने स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर जाकर की जा रही स्क्रीनिंग गतिविधियों का अवलोकन किया तथा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक सुझाव दीये गए।

उन्होंने टी बी रोगियों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने संपर्क कन्वेंशन को शुद्ध करने तथा समुदाय में टी बी के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष बल दिया इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह एवं अन्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने अभियान की प्रगति के संबंध में जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि जनपद में उच्च जोखिम वाले समूह की पहचान कर उनकी टी0

बी0 की जांच कराई जा रही है।

जिससे रोगियों का शीघ्र पता लगाकर उन्हें निशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा सके इस अवसर पर उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि दिनांक 22 जून से 24 जून तक लगातार तीन दिनों तक मैरिनो इंडस्ट्री लिमिटेड कंपनी में स्वास्थ्य जांच शिविर कराया गया।

जिसमें सभी कंपनी कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच एवं x ray आदि कराए गए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के सलाहकार ने जनपद में अभियान के अंतर्गत किए जा रहे।

प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि टी बी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामुदायिक सहभागिता समयबद्ध जांच एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार अत्यंत महत्वपूर्ण है इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 किशोर कुमार आहूजा ने आमजन से अपील की यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय से खांसी, खांसी में बलगम आना, बलगम में खून आना, बुखार आना, वजन में कमी आना, रात में पसीना आना, भूख कम लगना जैसे लक्षण हो तो निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर टी बी की जांच अवश्य कारण टी बी की जांच एवं उपचार सभी सरकारी संस्थानों में निशुल्क उपलब्ध है भारत सरकार द्वारा टी बी रोगी को नि : क्षय पोषण योजना के अंतर्गत एक हजार रुपए प्रतिमाह मरीज के अकाउंट में दिया जाता है जिला पी पी एम कोऑर्डिनेटर सुशील चौधरी ने बताया कि इस कार्यक्रम का शुभारंभ 24 मार्च को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 24 मार्च को किया गया था जो कि लगातार सौ दिवसों तक चलाया जा रहा है।

पत्रकार की पत्नी पर पत्रकारों ने जताया शोक

राजीव मोंगरा

नागल(वेलकम इंडिया)। मेरठ से प्रकाशित एक दैनिक समाचार पत्र के स्थानीय पत्रकार राहुल नौसरान की 45 वर्षीय पत्नी कविता का लंबी बीमारी के बाद निधन होने पर क्षेत्र के पत्रकारों सहित गणमान्य लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

मिली जानकारी के मुताबिक पत्रकार राहुल नौसरान की पत्नी कविता रानी पिछले काफी समय से ब्लड कैंसर की गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं।

गुरुवार सुबह करीब दो बजे उनका निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही पत्रकारों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

जिनमें मुख्य रूप से वरिष्ठ पत्रकार आनंद बतरा सुमन, मनसब अली परवेज, अजय अग्रवाल, ओमप्रकाश जैन, एसडी गौतम, गुलफाम अली, संजीव विश्वकर्मा, हेमंत अरोड़ा, अजीत त्यागी, सुबोध शर्मा, अनुज स्वामी, शाहनवाज मलिक, मोहम्मद तनवीर, दीपक राणा, अशोक रोहिला, रियाज अहमद, अरविंद कुमार, प्रशांत त्यागी, दानिश खान, लिटिल शर्मा, भाकियू रक्षक के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र ओहलान, भाजपा वरिष्ठ नेता चौधरी राजवीर सिंह, कपिल डावर, बिरमपाल प्रधान, डा. नरेश नौसरान, डा. रामकुमार मलिक, समाजसेवी रजनीश नौसरान, राजबीर प्रधान, दीपांशु नौसरान, अनिल शर्मा, फखरुद्दीन पप्पू, विजयपाल आर्य, ओमवीर आर्य, यशपाल सिंह पाल, सुनील शास्त्री, दिनेश नौसरान व फोनी मलिक समेत आदि शामिल है।

पिछड़ा वर्ग के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु आयोग ने ग्राम प्रधानों, जिला पंचायत सदस्यों और बीडीसी प्रतिनिधियों से मांगे सुझाव

जनपद हापुड़ के समस्त ब्लॉकों से आये ग्राम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य एवं अन्य नागरिकों द्वारा आयोग के समक्ष रखे अपने अपने सुझाव

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उ0प्र0 सरकार के द्वारा गठित उ0प्र0 राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रामौतार सिंह एवं मा0 आयोग के सदस्य कलेक्ट्रेट सभागार हापुड़ में प्रातः 11:00 बजे उपस्थिति हुए जिनका गार्ड ऑफ ऑनर (सलामी) देकर स्वागत किया गया। उसके उपरान्त जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों के द्वारा बुके देकर सम्मानित किया गया।

उसके उपरान्त सर्वप्रथम अन्य पिछडा वर्ग के आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रामौतार सिंह एवं सदस्यों बृजेश कुमार, संतोष कुमार विश्वकर्मा, अरविंद कुमार चौरसिया व एस0पी सिंह के द्वारा बैठक में प्रतिभाग करने वाले जनप्रतिनिधियों श्रीमती रेखा नागर मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत हापुड़, प्रमुख क्षेत्र पंचायत गढ़मुक्तेश्वर, और जिला पंचायत सदस्यों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों सहित जनपद के 04 विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों के प्रधानों से आर्थिक, शैक्षिक, समाजिक, राजनैतिक, रूप से पिछड़े हुए व्यक्तियों के सम्बन्ध में और शासकीय सेवाओं से जुडे आमजनमानस के सम्बन्ध में सुझाव लिये गये।

जिनको मा आयोग के अध्यक्ष महोदय के द्वारा सुरक्षित रख लिया गया तदोपरान्त आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों के द्वारा ग्राम पंचायत शाहपुर जट्ट विकास खण्ड हापुड़ की ग्राम पंचायत का भ्रमण किया गया।

इस मौके पर जिलाधिकारी कविता मीना, मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास विभाग हापुड़, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, हापुड़, जिला सूचना अधिकारी हापुड़, जिला पंचायत राज अधिकारी हापुड़, समस्त खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महिला थाना पुलिस द्वारा निर्जला एकादशी पर लोगों को पिलाया ठंडा शरबत

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। महिला थाना द्वारा निर्जला एकादशी के अवसर पर पुलिस लाइन में शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । भीषण गर्मी के बीच लोगों को ठंडा शरबत पिलाया गया। लोगों ने महिला थाना पुलिस और थाना प्रभारी कुसुम भाटी के इस प्रयास की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। थाना प्रभारी कुसुम भाटी ने कहा कि निर्जला एकादशी के अवसर पर पुलिस लाइन में शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें महिला पुलिसकर्मियों द्वारा लोगों को भीषण गर्मी में शरबत पिलाया गया। शरबत वितरण कार्यक्रम में एच. एम रुक्मणी ने कहा कि हिंदू धर्म में निर्जला एकादशी का विशेष महत्व है। इस दिन दान-पुण्य और जरूरतमंदों की सेवा को अत्यंत फलदायी माना जाता है। इसी भावना के तहत इस सेवा कार्य का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ उप निरीक्षक जुगल किशोर, उप निरीक्षक महिपाल, उप निरीक्षक शिवकुमार, अप निरीक्षक सुनील, महिला हेड कांस्टेबल रीता, महिला हेड कांस्टेबल ज्योति शोम, हेड कांस्टेबल सोनवीर, हेड कांस्टेबल मुकेश, कांस्टेबल राहुल, समस्त होमगार्ड व पीआरडी स्टाफ द्वारा लोगों को शीतल जल वितरित किया गया।

पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष ने ली पिछडे लोगो के बारे मे जानकारी

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में उ प्र सरकार के द्वारा गठित उ प्र राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रामौतार सिंह एवं आयोग के सदस्यों के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार हापुड़ में प्रातः 11:00 बजे उपस्थिति हुए जिनका गार्ड ऑफ ऑनर (सलामी) देकर स्वागत किया गया उसके उपरान्त जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों के द्वारा बुक्के देकर सम्मानित किया उसके उपरान्त सर्वप्रथम अन्य पिछडा वर्ग के आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों के द्वारा बैठक में प्रतिभाग करने वाले जनप्रतिनिधियों श्रीमती रेखा नागर अध्यक्ष जिला पंचायत हापुड़, प्रमुख क्षेत्र पंचायत गढ़मुक्तेश्वर, और जिला पंचायत सदस्यों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों सहित जनपद के 04 विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों के प्रधानों से आर्थिक, शैक्षिक, समाजिक, राजनैतिक, रूप से पिछड़े हुए व्यक्तियों के सम्बन्ध में और शासकीय सेवाओं से जुडे आमजनमानस के सम्बन्ध में सुझाव लिये गये जिनको आयोग के अध्यक्ष महोदय के द्वारा सुरक्षित रख लिया गया तदोपरान्त आयोग के अध्यक्ष एवं नामित सदस्यों के द्वारा ग्राम पंचायत शाहपुर जट्ट विकास खण्ड हापुड़ की ग्राम पंचायत का निरीक्षण किया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास विभाग हापुड़, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, हापुड़, जिला सूचना अधिकारी हापुड़, जिला पंचायत राज अधिकारी हापुड़, समस्त खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) में संगठन विस्तार, प्रशांत यादव बने जिला प्रचार मंत्री बुलंदशहर

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) के राष्ट्रीय कार्यालय पर गुरुवार को संगठन विस्तार एवं मजबूती को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एडवोकेट अक्षित शर्मा एवं युवा राष्ट्रीय महासचिव नितिन पंडित ने की।बैठक में संगठन हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए श्री प्रशांत यादव को उनकी संगठन के प्रति निष्ठा, सक्रियता तथा जनहित के कार्यों को देखते हुए जिला प्रचार मंत्री, बुलंदशहर पद पर नियुक्त किया गया।इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एडवोकेट अक्षित शर्मा एवं युवा राष्ट्रीय महासचिव नितिन पंडित ने नव-नियुक्त पदाधिकारी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि प्रशांत यादव संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ किसानों, मजदूरों एवं आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करेंगे। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने प्रशांत यादव को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष हिमांशु त्यागी एवं मेरठ मंडल उपाध्यक्ष अभय चौहान सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गंगापुरा में दूषित पेयजल से हाहाकार, लोगों ने नगर पालिका पर लगाया लापरवाही का आरोप

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। नगर पालिका परिषद क्षेत्र के मोहल्ला गंगापुरा की दलित बस्ती में दूषित पेयजल की समस्या को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि सरकारी पानी की टंकियों से लंबे समय से गंदा और बदबूदार पानी सप्लाई किया जा रहा है, जिसके कारण बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ रहे हैं।

स्थानीय निवासी नितिन कुमार और धीरज ने बताया कि इस संबंध में नगर पालिका परिषद को कई बार लिखित शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन अब तक समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

उनका कहना है कि अधिकारी केवल आश्वासन देते हैं, जबकि दूषित पानी की आपूर्ति लगातार जारी है। क्षेत्रवासियों के अनुसार गंदे पानी के सेवन से कई लोग पीलिया, पेट संबंधी संक्रमण और अन्य गंभीर बीमारियों की चपेट में आ चुके हैं। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए शुद्ध पेयजल या महंगे वाटर फिल्टर की व्यवस्था करना भी संभव नहीं है, जिससे वे दूषित पानी पीने को मजबूर हैं।

जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग स्थानीय नागरिकों ने जिलाधिकारी से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने तथा पानी की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि नगर पालिका की अनदेखी के कारण हजारों लोगों का स्वास्थ्य खतरे में है। अब सभी की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं कि वह इस गंभीर समस्या का समाधान कब तक करता है।

फोटो कैप्शन बीमारी की रिपोर्ट हाथों में लेकर सड़क पर उतरे लोग दूषित पानी की समस्या से परेशान गंगापुरा के निवासियों ने प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने अपने परिजनों की मेडिकल रिपोर्टें दिखाते हुए समस्या के समाधान की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि गंदे पानी के कारण क्षेत्र में विभिन्न बीमारियां फैल रही हैं और लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। प्रशासन से उन्होंने तत्काल जांच कराकर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की।

गन्ना भुगतान को लेकर भाकियू अराजनैतिक ने जिलाधिकारी व एसपी को सौंपा ज्ञापन, 350 करोड़ रुपये बकाया भुगतान की उठाई मांग

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष पवन हूण गुर्जर के नेतृत्व में हापुड़ जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से मिला और किसानों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। किसानों ने सिम्भावली ग्रुप पर करीब 350 करोड़ रुपये के बकाया गन्ना भुगतान का मुद्दा उठाते हुए जल्द भुगतान कराने की मांग की।ज्ञापन में कहा गया कि नए आईआरपी अनुराग गोयल की नियुक्ति के बाद गन्ना भुगतान की स्थिति और खराब हो गई है। पहले भुगतान की एक निर्धारित समय-सीमा होती थी, लेकिन वर्तमान में कोई समय-सीमा तय नहीं है, जिससे किसान आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि गन्ना सचिव सिम्भावली राकेश पटेल ने किसानों को गुमराह करने के उद्देश्य से मिल मालिक सिमरन कौर के खिलाफ थाना सिम्भावली में गन्ना भुगतान न करने के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया है, जबकि वर्तमान में मिल पर उनका कोई मालिकाना अधिकार नहीं है। उन्होंने बताया कि मिल का मामला एनसीएलटी कोर्ट, नई दिल्ली में विचाराधीन है और मिल का संचालन आईआरपी के अधीन है।भाकियू नेताओं का कहना है कि गन्ना एक्ट के अनुसार किसानों के भुगतान की जिम्मेदारी संबंधित गन्ना अधिकारियों और सोसायटी सचिव की होती है। उन्होंने जिलाधिकारी से मामले की जांच कराकर किसानों का बकाया भुगतान जल्द दिलाने तथा गन्ना सचिव, गन्ना जिलाधिकारी और आईआरपी अनुराग गोयल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में राधेलाल त्यागी, कटार सिंह, मोनू त्यागी, रवि भाटी, हेम सिंह प्रधान, शिवानंदन त्यागी सहित अन्य किसान नेता मौजूद रहे।

यूपी में हत्या, लूट, बलात्कार और भ्रष्टाचार की घटनाएं बढ़ीं, आपातकाल जैसे हालात बने : पंडित गोपाल शर्मा

राजेंद्र सिंह

लखनऊ(वेलकम इंडिया)। ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रदेशाध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में हत्या, लूट, बलात्कार, रंगदारी और भ्रष्टाचार की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराध और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है।पंडित गोपाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है, जिसके चलते बड़ी संख्या में युवा रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों की

ओर पलायन करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) तकनीक के बढ़ते उपयोग के कारण देश की कई कंपनियां कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं, जिससे उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में बेरोजगारी की समस्या और गंभीर होने की आशंका है। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान परिस्थितियों ने प्रदेश में 'आपातकाल जैसे हालात' पैदा कर दिए हैं। पंडित गोपाल शर्मा ने राज्य सरकार से कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने, अपराध पर प्रभावी नियंत्रण लगाने तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही उन्होंने शिक्षा नीति में सुधार कर युवाओं को रोजगारोन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए कहा कि सरकार को युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो प्रदेश की जनता और युवाओं को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

भीषण गर्मी से राहत के लिए AIMM ने डीएम को सौंपा ज्ञापन, शहर में प्याऊ लगाने की मांग

राजेंद्र सिंह

बरेली(वेलकम इंडिया)। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान से आमजन को राहत दिलाने के लिए ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस पार्टी (AIMM) ने जिलाधिकारी बरेली को ज्ञापन सौंपकर शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों, बस स्टैंडों और सार्वजनिक स्थलों पर तत्काल प्याऊ व्यवस्था कराने की मांग की है। पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री मुख्तार अहमद ने बताया कि पिछले सप्ताह भी संगठन की ओर से जिलाधिकारी को इसी संबंध में ज्ञापन दिया गया था, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रही गर्मी और लू के कारण राहगीरों, मजदूरों, रिक्शा चालकों, यात्रियों तथा बाजारों में आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पानी की कमी से बेजुबान पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। मुख्तार अहमद ने कहा कि शहर के प्रमुख चौराहों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थलों पर ठंडे एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था बेहद आवश्यक है। यदि प्रशासन समय रहते प्याऊ स्थापित कर देता है तो हजारों लोगों को गर्मी से राहत मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसलिए जिला प्रशासन को बिना किसी देरी के शहर के सभी प्रमुख स्थानों पर प्याऊ लगवाने चाहिए तथा गर्मी के मौसम में उनकी नियमित निगरानी भी सुनिश्चित करनी चाहिए। ज्ञापन के माध्यम से जिलाधिकारी से पूर्व में दिए गए ज्ञापन पर भी शीघ्र संज्ञान लेने और जनहित में तत्काल कार्रवाई करने की मांग की गई। मुख्तार अहमद ने कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस पार्टी हमेशा जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाती रही है और आगे भी जनता की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

निर्जला एकादशी पर राहगीरों को शरबत पिलाया

नितिन शर्मा

नूरपुर(वेलकम इंडिया)। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर भारतीय किसान यूनियन ब्लॉक नूरपुर की टीम द्वारा अनिक चौधरी के निवास पर राहगीरो को मीठे शरबत का वितरण किया गया। इस मौके पर राजस्व, निखिल, निपेंद्र, इंतजार, तरनिंदर, यादराम सिंह, अशोक कुमार, मोनू, योगेश मनीष सहित अन्य साथी उपस्थित रहे। सभी ने सेवा भाव से श्रद्धालुओं को शरबत वितरित किया और एकता एवं भाईचारे का संदेश दिया।

पंजाब से झारखंड तक फैले शराब तस्करी सिंडिकेट पर ट्रांस यमुना पुलिस का प्रहार, 30 लाख की खेप के साथ तीन गिरफ्तार'

अपराधियों में खौफ, कार्रवाई में दमः थानाध्यक्ष हरेन्द्र कुमार की टीम ने किया अवैध शराब तस्करी का भंडाफोड़

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में कमिश्नरेट आगरा की थाना ट्रांस यमुना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के एक बड़े अंतरराज्यीय नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 30 लाख रुपये मूल्य की 350 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब और बीयर एक कंटेनर, एक विटारा ब्रेजा कार, तीन मोबाइल फोन, एक नेट कनेक्ट डोंगल और नकदी बरामद की है। गिरोह पंजाब से शराब लाकर उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में सप्लाई करता था। पुलिस के अनुसार 24 जून को थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक कंटेनर में पंजाब की अवैध शराब और बीयर भरकर झारखंड भेजी जा रही है।

तस्करों ने पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखने और रास्ता साफ कराने के लिए कंटेनर के आगे एक विटारा ब्रेजा कार भी लगा रखी थी, जो लगातार रेकी का काम कर रही थी।

सूचना मिलते ही थाना ट्रांस यमुना पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर कंटेनर और कार को रोक लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कंटेनर की जांच में 350 पेटी अवैध शराब और बीयर बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई गई है।

ये हुए गिरफ्तार

पुलिस ने राजस्थान निवासी बभूताराम हरियाणा निवासी अनिल कुमार और जगदीप को गिरफ्तार किया है। वहीं गिरोह से जुड़े भूपेंद्र दहिया और दीपक फिलहाल फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

भारी मात्रा में हुई बरामदगी

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 350 पेटी अवैध शराब और बीयर, एक कंटेनर, एक मारुति विटारा ब्रेजा कार, तीन मोबाइल फोन, एक डोंगल और 3,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। बरामद शराब में रॉयल ग्रीन, इम्पीरियल ब्लू, एमसी डॉवेल्स सहित कई ब्रांड शामिल हैं।

थानाध्यक्ष हरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में मिली बड़ी सफलता

थाना ट्रांस यमुना के थानाध्यक्ष हरेन्द्र कुमार अपनी बेहतरीन कार्यशैली, सख्त पुलिसिंग और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए जाने जाते हैं। उनके नेतृत्व में थाना क्षेत्र में अपराधियों में खौफ का माहौल बना हुआ है और लगातार अपराध नियंत्रण की दिशा में उल्लेखनीय परिणाम देखने को मिल रहे हैं।

अवैध शराब तस्करी के इस बड़े अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ भी उनकी रणनीतिक कार्यशैली, कुशल नेतृत्व और टीम के बेहतर समन्वय का परिणाम माना जा रहा है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस सफल कार्रवाई को थाना ट्रांस यमुना के थानाध्यक्ष हरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने अंजाम दिया। टीम में उपनिरीक्षक ऋषि कुमार, उपनिरीक्षक गुरविंदर सिंह, उपनिरीक्षक मोहित सिंह, उपनिरीक्षक विक्रम सिंह, उपनिरीक्षक मनीष कुमार, हेड कांस्टेबल लोकेश कुमार, कांस्टेबल शिवकेश, कांस्टेबल अभिषेक मलिक, कांस्टेबल गितिश गोयल एवं कांस्टेबल अनुज कुमार शामिल रहे। पुलिस टीम की सतर्कता, सटीक सूचना पर त्वरित कार्रवाई और प्रभावी घेराबंदी के चलते अंतरराज्यीय शराब तस्करी के इस बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ संभव हो सका।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्रवाई करने वाली टीम की सराहना करते हुए इसे अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कमिश्नरेट पुलिस की बड़ी सफलता बताया है। यह कार्रवाई स्पष्ट करती है कि आगरा पुलिस अपराध और अवैध कारोबार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

पूछताछ में खुली तस्करी की परतें

गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि बरामद शराब पंजाब से लाई गई थी और इसे झारखंड में खपाने की तैयारी थी। गिरोह का संचालन कुछ अन्य लोग कर रहे थे, जो अभी फरार हैं। आरोपी रास्ते भर एक-दूसरे के संपर्क में रहते थे और आगे चल रही कार पुलिस चेकिंग की जानकारी कंटेनर चालक तक पहुंचाती थी। पुलिस के अनुसार यह गिरोह लंबे समय से पंजाब से अवैध शराब लाकर उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में सप्लाई कर रहा था। मामले में पुलिस फरार आरोपियों की तलाश के साथ-साथ पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

'संविधान हत्या दिवस' पर भाजपा ने कार्यक्रम आयोजित किया

ओ पी उनियाल

देहरादून(वेलकम इंडिया)। आपातकाल के काले अध्याय के 51 वर्ष पूर्ण होने पर जीएमएस रोड़ स्थित एक होटल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आपातकाल के विरुद्ध आवाज बुलंद करने वाले लोकतंत्र सेनानियों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 जून 1975 का आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह दौर था, जब नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध लगाए गए, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचला गया और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अभूतपूर्व दबाव बनाया गया। लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष, साहस और त्याग ने उस अंधकारमय काल में भी लोकतंत्र की ज्योति को जलाये रखा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने, संविधान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष एवं बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुँचाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री खजान दास, विधायक उमेश शर्मा काऊ, श्रीमती सविता कपूर, प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार तथा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा-2026: डीआईजी अभिषेक सिंह ने तैयारियों को लेकर परिक्षेत्र के पुलिस अधिकारियों संग की वर्चुअल बैठक

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिषेक सिंह बेहद गंभीर नजर आ रहे हैं।

इसी क्रम मे, 25 जून 2026 को डीआईजी ने गूगल मीट के माध्यम से एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। इस वर्चुअल गोष्ठी में रेंज के तीनों जनपदों सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारी मुख्य रूप से शामिल हुए।

बैठक के दौरान डीआईजी अभिषेक सिंह ने कांवड़ यात्रा की तैयारियों और कार्ययोजना की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने सभी कप्तानों और

थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कांवड़ मार्गों का भौतिक सत्यापन जल्द से जल्द पूरा कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त कर लें।

डीआईजी ने सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए निम्नलिखित कड़े दिशा-निर्देश जारी किए, परिक्षेत्र के सभी संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर वहां अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए और पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए, कांवड़ियों की सुविधा और आम जनता की सहूलियत के लिए प्रभावी ट्रैफिक मैनेजमेंट और डायवर्जन प्लान को समय रहते लागू करने के निर्देश दिए गए।

कांवड़ मार्गों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और अन्य आधुनिक तकनीकी संसाधनों का अधिकतम व प्रभावी उपयोग किया जाएगा।

सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखने और किसी भी प्रकार की अफवाह का तुरंत खंडन करने की बात कही गई। इसके साथ ही असामाजिक व अराजक तत्वों पर सतत निगरानी रखने के लिए खुफिया तंत्र (एलआईयू) को पूरी तरह सक्रिय कर दिया गया है।

डीआईजी ने दो टूक शब्दों में कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले उपद्रवियों से पुलिस सख्ती से निपटेगी।

कैरियर काउंसलिंग मे छात्रों को मिले भविष्य के नए अवसरों की जानकारी

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट में कार्मिक शाखा, अंबाला मंडल द्वारा रेलवे कर्मचारियों के बच्चों एवं आश्रितों के लिए कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार, कौशल विकास तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनके भविष्य को नई दिशा प्रदान करना रहा। नोएडा से आए कैरियर विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों का अभिरुचि एवं योग्यता परीक्षण किया गया। तत्पश्चात बच्चों एवं उनके अभिभावकों के साथ व्यक्तिगत काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए। जिनमें विशेषज्ञों द्वारा प्रत्येक बच्चे की रुचि, क्षमता एवं संभावनाओं के आधार पर उपयुक्त कैरियर विकल्पों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को करियर निर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य, निरंतर प्रयास व सकारात्मक सोच आवश्यक है। युवाओं को अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप करियर का चयन करने तथा उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

आपातकाल के योद्धाओं को मिले स्वतंत्रता सेनानियों जैसा सम्मान, लोकतंत्र सेनानी परिषद ने बुलंद की आवाज

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। आपातकाल की वर्षगांठ पर लोकतंत्र सेनानी कल्याण परिषद ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार से उन्हें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के समान सम्मान एवं सुविधाएं प्रदान करने की मांग की। परिषद के पदाधिकारियों ने इस संबंध में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान को सौंपा। जिला संयोजक आचार्य राजेंद्र अटल, जिला अध्यक्ष बलदेव राज जोशी और प्रवक्ता निसार सिद्दीकी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई कि लोकतंत्र सेनानियों को फ्रीडम फाइटर एक्ट के अंतर्गत मान्यता दी जाए तथा उन्हें स्वतंत्रता सेनानियों की तर्ज पर सभी सम्मान और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। ज्ञापन में लोकतंत्र सेनानियों को

गोल्डन आयुष्मान कार्ड, रेलवे यात्रा सुविधा, सम्मान राशि में वृद्धि, लोकतंत्र सेनानी स्मारक का निर्माण तथा आपातकाल विरोधी संघर्ष को शैक्षिक पाठ्यक्रम में शामिल करने की प्रमुख मांगें उठाई गईं। परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि आपातकाल के दौरान लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले स्वयंसेवकों एवं प्रचारकों के योगदान को भी इतिहास में उचित स्थान और सम्मान मिलना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए जेल जाने और संघर्ष करने वाले सेनानियों का योगदान देश कभी नहीं भूल सकता। ऐसे योद्धाओं को केवल सम्मान ही नहीं, बल्कि उनकी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की भी आवश्यकता है। इस अवसर पर गीता राम, सुरेशो, सुभाष चंद्र, मोहम्मद यूसुफ, राजकुमार, अनवर खान, अहमद जमाल, रशीद अहमद, प्रेम सिंह भंडारी, अशोक मित्तल, जमाल गोरी, तहसीन अहमद, डॉ. फैजान शौकत सहित बड़ी संख्या में लोकतंत्र सेनानी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

फूड एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिष्ठानों एवं व्यक्तियों को सम्मानित किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित अवार्ड कार्यक्रम में प्रतिभाग कर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने फूड एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिष्ठानों एवं व्यक्तियों को सम्मानित किया।

श्री जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि यह मंच उत्तराखंड के उत्कृष्ट व्यंजनों, बेकरी उद्योग तथा हमारी समृद्ध आतिथ्य परंपरा में अनुकरणीय योगदान देने वाले स्थानीय उद्यमियों एवं संस्थानों को प्रोत्साहित करने का एक सराहनीय प्रयास है। इस प्रकार के आयोजन न केवल राज्य में पर्यटन और स्वरोजगार को बढ़ावा देते हैं, बल्कि राज्य की समृद्ध संस्कृति एवं आतिथ्य परंपरा को भी नई पहचान प्रदान करते हैं।

उन्होंने इस मंच पर सम्मानित होने वाले सभी कर्मठ विजेताओं एवं आयोजकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ दी।

अंडर-12 क्रिकेट समर कप में खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रहे अंडर-12 क्रिकेट समर कप 2026 के तीसरे दिन आयोजित हुए सेमी फाइनल मैच में खिलाड़ियों ने मैदान पर अपनी खेल प्रतिभा का जबरदस्त दमखम दिखाया। छह टीमों के बीच खेले जा रहे इस रोमांचक टूर्नामेंट में बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

टूर्नामेंट के तीसरे दिन पहला सेमी फाइनल मुकाबला ब्राउनवुड क्रिकेट एकेडमी और पंवार क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला गया। पंवार क्रिकेट एकेडमी के कप्तान अमरीत पांचाल ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्राउनवुड क्रिकेट एकेडमी की टीम ने 18.5 ओवर में 124 रन बनाए। जिसमे सेफ मलिक नें 20 बॉल पर 38 रन बनाए। पंवार क्रिकेट एकेडमी टीम की और से कार्तिक पाल ने अच्छी बोलिंग करते हुए 3 ओवर में 10 रन देकर 3 विकट अपने नाम किये। 125 रनो का पीछा करते हुए पंवार क्रिकेट एकेडमी की टीम ने 14 ओवर में 125 रन बनाकर 07 विकेट से मैच में जीत हासिल की। पंवार टीम की और से युगांश ने 35 बॉल में 51 रन बनाए। जबकि ब्राउनवुड की और से बॉलिंग करते हुए समर ने 2 ओवर में 4 रन देकर 2 विकट लिये। मैन

ऑफ द मैच का पुरुस्कार युगांश और फाइटर ऑफ द मैच का पुरुस्कार सेफ मलिक को दिया गया। दूसरा सेमीफाइनल मैच अम्बेडकर स्टेडियम की टीम और सवेरा क्रिकेट एकेडमी की टीम के बीच खेला गया। टॉस जीतकर सवेरा क्रिकेट एकेडमी के कप्तान कैफ मलिक ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। मैच में बल्लेबाजी करते हुए सवेरा क्रिकेट एकेडमी की टीम ने 20 ओवर में 07 विकेट खोकर 247 रन बनाये। जिसमे सात्विक चौधरी ने 24 बॉल पर 57 रन की शानदार पारी खेली। अम्बेडकर स्टेडियम टीम की और से अंशु ने 04 ओवर में 23 रन देकर 02 विकेट लिए। बल्लेबाजी करने के लिए उतरी अंबेडकर स्टेडियम की टीम 15 ओवर में 80 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इस तरह से यह मैच सवेरा टीम ने 167 रन से जीतकर फाइनल में जगह बनाई। केशव चौधरी ने 47 बॉल पर 27 रन बनाए। सवेरा टीम की और से उत्कर्ष नारायण सिंह ने 4 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट लिए। इस मैच में मेन ऑफ द मैच उत्कर्ष नारायण सिंह और फाइटर ऑफ द मैच केशव चौधरी रहे। टूर्नामेंट में अवनी स्पोर्ट्स का विशेष सहयोग मिल रहा है। मैच के दौरान क्रिकेट कोच प्रीति मेहरा, ललित पंवार, अजीम, आदिल, रमीज, अमजद, रश्मि कपुरिया, पूनम, अंकित कश्यप, सुरेन्दर कुमार, प्रतिज्ञा, गीत चौहान, राधिका, सहित कई सीनियर खिलाड़ी उपस्थित रहे।

देवप्रयाग में आईटीआई भवन निर्माण कार्य का 'शिलान्यास' व भूमि पूजन

ओ पी उनियाल

देहरादून(वेलकम इंडिया)। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने देवप्रयाग (टिहरी गढ़वाल) विधानसभा क्षेत्र में 914.06 लाख की स्वीकृत लागत से बनने वाले 'राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, देवप्रयाग' के भवन निर्माण कार्य का 'शिलान्यास' व भूमि पूजन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं को आधुनिक तकनीकी शिक्षा और बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। यह नया भवन क्षेत्र के युवाओं के हुनर को निखारने और उन्हें स्वावलंबी बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। देवप्रयाग के माननीय विधायक श्री विनोद कण्डारी, विभागीय अधिकारीगण एवं क्षेत्रीय जनता व पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने किया गौशाला का भ्रमण

विद्यार्थियों ने गोमय उत्पाद बनने की प्रक्रिया देखी और जाना गौवंश का महत्व

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम सहारनपुर द्वारा संचालित माँ शाकंभरी कान्हा उपवन गोशाला में आज अनेक महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को गोवंश के महत्व और गो-आधारित कुटीर उद्योगों के बारे में व्यवहारिक जानकारी दी गयी, जिससे भ्रमणकारी विद्यार्थी बेहद उत्साहित और हर्षित नजर आए।

एरॉन एजूकेशन वेलफेयर सोसायटी के तत्वाधान में गौशाला

पहुंचे यूपीईएस यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, ऐमिटी यूनिवर्सिटी तथा लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने गोशाला में गाय के गोबर और गोमूत्र से बनने वाले विभिन्न दैनिक उपयोगी व पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को बनते हुए देखा। बच्चों ने सीखा कि कैसे गोबर से आकर्षक दीये, राखियाँ, तिरंगा चेस्ट बैज, धूपबत्ती, गो-काष्ठ (लकड़ी का विकल्प) और गौमय प्राकृतिक पेंट का निर्माण किया जाता है। इसके अलावा, गोमूत्र से फिनायल बनाने की प्रक्रिया भी विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। ये विद्यार्थी एरॉन सोसायटी के साथ इंटर्नशिप कर रहे हैं।

गोशाला प्रभारी डॉ. संदीप कुमार मिश्र ने उक्त विद्यार्थियों को गोशाला की व्यवस्थाओं और गोवंश संरक्षण की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोशालाएँ केवल पशु आश्रय नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण का एक बड़ा केंद्र बन सकती हैं। यह जानकर विद्यार्थी आश्चर्य चकित रह गए कि निगम की कान्हा गौशाला विश्व की अकेली ऐसी गौशाला है जिसे 26 से अधिक गोमय उत्पाद बनाने के लिए राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

निर्जला एकादशी पर शरबत पिलाया

नितिन शर्मा

चांदपुर(वेलकम इंडिया)। निर्जला एकादशी के उपलक्ष में बूचानांगल मोड पर राहगीरों को शरबत पिलाया गया। शरबत पिलाने वालों में टिल्लू चौधरी, अर्पित चौधरी, योगेश कुमार, लक्षित कुमार, अमित कुमार, मनु चौधरी, श्लोक चौधरी, हर्ष यादव, अभिषेक कुमार, संजीव कुमार, अंश यादव, अनूप चौधरी, विक्रांत यादव आदि ग्राम वासियों का सहयोग रहा।

मुख्यमंत्री ने बाबा बैजूनाथ धाम से 475 करोड़ से अधिक की 139 विकास परियोजनाओं की दी सौगात

धनघटा की जनसभा में मुख्यमंत्री ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई, धनघटा व खजनी क्षेत्र की परियोजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जनपद के धनघटा तहसील अंतर्गत प्राचीन शिव मंदिर बाबा बैजूनाथ धाम परिसर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में जनपद संत कबीर नगर के विधानसभा क्षेत्र धनघटा एवं गोरखपुर जनपद के विधानसभा क्षेत्र खजनी के विकास की 475 करोड रुपए से अधिक की 139 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर मा0 राज्य मंत्री/ प्रभारी मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, सांसद डुमरियागंज जगदंबिका पाल, विधायक खजनी श्रीराम चौहान, विधायक खलीलाबाद अंकुर राज तिवारी, विधायक मेहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी, विधायक धनघटा गणेश चंद्र चौहान, विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह, विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंशी, जिला प्रभारी भाजपा अजय सिंह गौतम, जिला अध्यक्ष भाजपा श्रीमती नीतू सिंह, जिला अध्यक्ष भाजपा गोरखपुर, जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव, पूर्व सांसद अष्टभुजा शुक्ल, पूर्व सांसद इंद्रजीत मिश्र जी, पूर्व विधायक राकेश सिंह बघेल, पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे, मंडलायुक्त अखिलेश सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती संजीव त्यागी, जिलाधिकारी आलोक कुमार, पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना, अपर जिलाधिकारी सत्य प्रकाश व मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तहसील धनघटा अंतर्गत बाबा बैजूनाथ धाम की पवित्र धरती पर पहुंचने के बाद सर्वप्रथम बाबा बैजूनाथ जी का दर्शन एवं पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री द्वारा कार्यक्रम आयोजन स्थल पर जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा उनके विभाग से संबंधित जनकल्याणकारी एवं लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित लगाई गई प्रदर्शनी/स्टालों का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा बच्चों को अन्नप्राशन कराते हुए गोद में उठाकर उन्हें प्यार दुलारकर आशीर्वाद दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में सभी उपस्थित मा0 जनप्रतिनिधिगणों, भारी संख्या में उपस्थित सम्मानित जनता एवं मीडिया बन्धुओं को हार्दिक धन्यवाद एवं आशीर्वाद देते हुए कहा कि जब जनता के द्वारा गरीबों का हित एवं कल्याण के बारे में सोचने वाली सरकार चुनी जाती है तब क्षेत्र के विकास को एक नई दिशा और गति मिलती है और इसी क्रम में आज जनपद संत कबीर नगर के विधानसभा क्षेत्र धनघटा एवं गोरखपुर के विधानसभा क्षेत्र खजनी के विकास हेतु रुपए 475 करोड़ से अधिक की 139 परियोजनाओं का लोकार्पण शिलान्यास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि में क्षेत्र के विकास को गति देने में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे धनघटा एवं खजनी दोनों विधानसभाओं को जोड़ रहा है, यहां के स्थानीय युवाओं को गीडा के विकास से रोजगार के नए अवसर मिले हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों की विरासतों का सम्मान करना, धार्मिक स्थलों का सौंदरीकरण कराना एवं सांस्कृतिक विरासत के रूप में उन्हें संरक्षित करना पूर्वजों की आस्था का प्रमाण है जिन्होंने उन्हें स्थापित किया था। उन्होंने कहा कि यह सब तभी संभव है जब आप सभी एक अच्छे, कर्तव्यनिष्ठ एवं योग्य जनप्रतिनिधि को चुनते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले जो उत्तर प्रदेश अपने पहचान के लिए तरस रहा था वही उत्तर प्रदेश आज भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था का नेतृत्व कर रहा है। मुख्यमंत्री ने विकास की प्रक्रिया में हाईवेज, एक्सप्रेसवे, जनपदीय सड़के व ग्रामीण सड़कें, गांवों तक कनेक्टिविटी, शिक्षा के नए संस्थान, प्राथमिक विद्यालयों में कायाकल्प एवं अलंकार योजना के माध्यम से उनके गुणवत्ता एवं शिक्षा व्यवस्था में सुदृढ़ीकरण सहित विभिन्न विकास योजनाओं के तहत कराए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज संत कबीर नगर का हर नागरिक इस जनपद का निवासी होने पर गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि बाबा तामेश्वर नाथ धाम को नई पहचान देने के लिए कॉरिडोर के रूप में विकसित किए जाने का कार्य कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम एक नए भारत और नए उत्तर प्रदेश का का दर्शन कर रहे हैं, आज का उत्तर प्रदेश अपने विकास की यात्रा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह तभी संभव है जब देश की समस्त जनता एक साथ एकजुट होकर देश की तरक्की और विकास के प्रति समर्पित सरकार का सहयोग करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े सभी लोग एक दूसरे के साथ समन्वय बनाकर काम करने का ही परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश देश का सबसे तेजी से विकास करने वाला प्रदेश बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा आज उत्तर प्रदेश में विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेस-वे, हाई-वे सहित अन्य विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं, उन्होंने कहा कि समर्पित प्रयास से सब कुछ संभव होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश एवं प्रदेश में आर्थिक उन्नति से लेकर सनातन संस्कृतियों का जो विकास हुआ है वह निश्चित रूप से ऐतिहासिक है, उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामलला मंदिर का निर्माण का सपना आज पूरा हुआ, काशी विश्वनाथ धाम की भव्यता, मां विंध्यवासिनी का मंदिर, अयोध्या की भव्यता हेतु सरकार ने आधारभूत संरचनाओं का विकास, श्रद्धालुओं हेतु सुविधाओं की व्यवस्था आदि के लिए ऐतिहासिक कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि आज 475 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का जो लोकार्पण/शिलान्यास किया जा रहा है उससे जनपद में विकास के सभी क्षेत्र में विकास को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार गरीबों, महिलाओं, नौजवानों हेतु विभिन्न जनकल्याणकारी एवं लाभार्थीपरक योजनाओं के माध्यम से सीधा लाभ पहुंचा रही है। नए भारत का नया उत्तर प्रदेश अपने सम्मानित नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा एवं समृद्ध बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है जिसका प्रभाव शहर से लेकर गांव तक साफ दिखाई पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने जनपद संत कबीर नगर के सम्मानित नागरिकों को आश्वासन दिया कि उनके सुख, समृद्धि एवं विकास के लिए हर स्तर पर प्रदेश सरकार उनके साथ है। प्रभारी मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, विधायक धनघटा गणेश चंद्र चौहान, विधायक खजनी श्री राम चौहान सहित मा0 जनप्रतिनिधिगणों ने धनघटा तहसील अंतर्गत प्राचीन एवं ऐतिहासिक शिव मंदिर बाबा बैजूनाथ धाम पर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन पर हार्दिक बधाई एवं हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा क्षेत्र धनघटा एवं विधानसभा क्षेत्र खजनी की जनता एवं क्षेत्र के विकास को गति देने हेतु रूपए 475 करोड़ से अधिक की 139 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास कर अभूतपूर्व सौगात दिया गया है। इससे क्षेत्र की जनता में खुशी एवं उत्साह का माहौल है। मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को मुख्यमंत्री आवास का स्वीकृति पत्र, प्रतीकात्मक चेक, एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के एक जनपद एक उत्पाद योजना के तहत बखिरा पीतल उद्योग से निर्मित श्री राम दरबार की प्रतिमा स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट किया गया। इस अवसर पर भाजपा पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण, जनपद स्तरीय अधिकारीगण, लाभार्थीगण एवं भारी संख्या में सम्मानित आम जनमानस एवं संभ्रांत नागरिकगण आदि उपस्थित रहे।

मामूली कहासुनी में दो पक्षों में संघर्ष, लाठी-डंडे व पत्थर चले, तीन महिलाएं घायल

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव हाजीपुर दुगड्डा में मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। दो पड़ोसी पक्षों के बीच हुए विवाद में जमकर लाठी-डंडे और पत्थर चले, जिससे तीन महिलाएं घायल हो गईं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दो महिलाओं को छुट्टी दे दी, जबकि एक महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के गांव हाजीपुर दुगड्डा निवासी गुलफान और सत्तार पड़ोसी हैं। आरोप है कि देर रात सत्तार का पुत्र इंतजार घर के बाहर खड़ा होकर गाली-गलौज कर रहा था। इसी दौरान गुलफान की मां इकबाल जहां ने उसे गाली देने से मना किया। आरोप है कि इस बात से नाराज होकर इंतजार और उसके परिजन आक्रोशित हो गए तथा कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई।देखते ही देखते दोनों पक्षों के अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए और विवाद ने उग्र रूप धारण कर लिया। दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने के साथ पत्थरबाजी भी हुई। संघर्ष के दौरान एक पक्ष की इकबाल जहां और नजमा घायल हो गईं, जबकि दूसरे पक्ष की इमराना को भी चोटें आईं। दोनों पक्षों ने घायलों का उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया चिकित्सकों ने इकबाल जहां की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जबकि अन्य दोनों महिलाओं को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सफल बनाने के लिए जनसहभागिता जरूरी: ईओ

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। संचारी रोगों की रोकथाम एवं विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद कार्यालय में अधिशासी अधिकारी पूर्णिमा सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा आमजन को जागरूक करने पर जोर दिया गया।बैठक में अधिशासी अधिकारी ने पालिका कर्मियों और सभासदों को निर्देशित करते हुए कहा कि अभियान के दौरान नगर के सभी वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। नालियों की नियमित सफाई, जलभराव वाले स्थानों की पहचान कर उनका निस्तारण तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही लोगों को संचारी रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी देने के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाएं।अधिशासी अधिकारी पूर्णिमा सिंह ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान शासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों और नगरवासियों का सहयोग जरूरी है। बैठक में पालिका कर्मचारी, सभासदगण एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

क्रैक साइबर क्राइम अभियान के तहत साइबर ठगी के शिकार पीड़ित को 10,000 की राशि वापस दिलाई

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में क्रैक साइबर क्राइम अभियान के तहत साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने के क्रम में साइबर हेल्प डेस्क थाना कोतवाली खलीलाबाद प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश दूबे, प्रभारी साइबर सेल वीरेन्द्र कुमार यादव, का रविकान्त कुशवाहा, म का शिवांगी सिंह, का अनुज शुक्ला,का ऋतिक वर्मा ने सतत प्रभावी कार्रवाई कार्यवाही करते हुए साइबर ठगी के शिकार पीड़ित को 10,000 रुपये की धनराशि उनके खाते में वापस कराई गयी ।

श्याम मुरारी लाल श्रीवास्तव निवासी उतरौलिया थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर ने दिनाँक 09.06.2025 को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल फोन हैक करके आवेदक के बैक खाते से फ्राड बैंक खाते में धनराशी स्थानांतरित कर लेने के सम्बन्ध मे थाना कोतवाली खलीलाबाद मे शिकायत दर्ज कराया गया था ।

साइबर हेल्प डेस्क पर तैनात आरक्षी रविकान्त कुशवाहा द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए NCRP पोर्टल पर शिकायत पंजीकृत की गयी । पुलिस की प्रभावी पैरवी से 10,000 रुपये की सम्पूर्ण धनराशि आवेदक के खाते में सफलतापूर्वक वापस करा दी गयी है।

श्री रूपराम इंटरनेशनल एकेडमी श्रद्धांजलि सभा कैसे भूलेंगे दिल के टुकड़ों को

राजीव चौधरी

गागलहेडी(वेलकम इंडिया)। असमय अपनो से बिछडों को' लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र के पूर्णिया मे स्थित एक कोचिंग संस्थान में 22 जून 2026को हुए भीषण अग्निकांड की घटना सामने आई। जिसमें 15 छात्रों की आकस्मिक मृत्यु तथा बहुत से छात्रों के घायल होने का समाचार है।

इस हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया। दिवंगत विद्यार्थियों की स्मृति में आज23 जून 2026 को हमारे विद्यालय में एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

श्रद्धांजलि सभा के दौरान सभी उपस्थितजनों ने मोमबत्तियाँ जलाकर अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं। विद्यालय परिसर शोकपूर्ण वातावरण से आच्छादित रहा तथा सभी ने इस दुःखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया।

विद्यालय प्रबंधन ने दिवंगत विद्यार्थियों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस क्षति की भरपाई कभी नहीं की जा सकती। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवारों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

अंत में सभी ने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने की कामना करते हुए सुरक्षा के प्रति सजग रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध समिति के समस्त सदस्यों के साथ-साथ विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं, विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

ऐसी के तार काटकर ले जा रहे युवक को लोगों ने दबोचा, पुलिस के हवाले किया

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे में भारतीय स्टेट बैंक के समीप स्थित एक गली में घरों के बाहर लगे एसी के तार व पाइप काटकर चोरी करने का प्रयास कर रहे एक युवक को स्थानीय लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची डायल-112 पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। पीड़ितों ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।गुरुवार दोपहर भीषण गर्मी के कारण अधिकांश लोग अपने घरों में आराम कर रहे थे। इसी दौरान मोहल्ला शेखजादगान स्थित भारतीय स्टेट बैंक के पास वाली गली में कुछ घरों के एसी अचानक बंद हो गए। जब लोगों ने बाहर निकलकर जांच की तो एक युवक एसी के कटे हुए तार और पाइप लेकर जाता दिखाई दिया। मोहल्ला निवासी अक्षत जैन, राहुल जैन, दीपक जैन सहित अन्य लोगों ने युवक को मौके पर ही पकड़ लिया। और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद डायल-112 पुलिस को सूचना दी गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर उसके पास से कटे हुए तार और उपकरण बरामद किए तथा उसे थाने ले गई। पीड़ितों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नगर एवं क्षेत्र लोगों का कहना है कि कस्बे और आसपास के क्षेत्र में चोरी एवं अन्य आपराधिक घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अपराधों को पुलिस रोकने में नाकाम साबित हो रही है।

घर के बाहर खड़े ट्रैक्टर से बैटरी चोरी, पीड़ित ने की कार्रवाई की मांग

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के सलेमपुर मार्ग पर घर के बाहर खड़े ट्रैक्टर से अज्ञात चोर हजारों रुपये कीमत की बैटरी चोरी कर ले गए। घटना का पता चलने पर पीड़ित ने काफी तलाश की, लेकिन बैटरी और चोर का कोई सुराग नहीं लग सका। मामले में पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है।सलेमपुर मार्ग निवासी साजिद ने अपना ट्रैक्टर परिचित के मकान के पास घर के बाहर खड़ा किया हुआ था। आरोप है कि रात के समय किसी अज्ञात चोर ने मौका पाकर ट्रैक्टर से बैटरी निकाल ली और फरार हो गया। सुबह ट्रैक्टर के पास पहुंचने पर बैटरी गायब मिली, जिससे उसके होश उड़ गए। पीड़ित ने आसपास के लोगों से जानकारी करने के साथ ही अपने स्तर पर बैटरी की तलाश की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद गुरुवार को वह थाने पहुंचा और पुलिस को तहरीर देकर चोरी की घटना से अवगत कराया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर चोर की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

साइबर अपराधों से बचाव का सबसे बड़ा हथियार जागरूकता और सतर्कता

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर के मंदिर महादेव मारूफ शिवाला कांधला धर्मार्थ ट्रस्ट रजिस्टर्ड के सात वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट की आधिकारिक पत्रिका शिवस्य प्रसाद का विमोचन किया गया तथा बढ़ते साइबर अपराधों पर जागरूकता परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ ट्रस्ट की महासचिव डॉ. शिखा कौशिक ने महादेव शिवलिंग पर 'शिवस्य प्रसाद की प्रथम प्रति समर्पित कर किया। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में इंडियन एयर फोर्स से सेवानिवृत्त जियालाल एडवोकेट, बार एसोसिएशन कैराना के पूर्व महासचिव राजकुमार चौहान एडवोकेट तथा पंकज बंसल एडवोकेट ने कहा कि साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम जानकारी, जागरूकता और सतर्कता है। इस अवसर पर ट्रस्ट की अध्यक्ष शालिनी कौशिक एडवोकेट द्वारा लिखित पुस्तक 'क्राइम का चक्रव्यूह : साइबर क्राइम-एक समग्र अध्ययन का भी लोकार्पण एवं विमोचन किया गया।

लखनऊ अग्निकांड के बाद प्रशासन सख्त, कोचिंग सेंटरों, बैंक्वेट हॉल, होटलों और अस्पतालों में चला जांच अभियान

राजीव चौधरी

गागलहेडी(वेलकम इंडिया)। लखनऊ में हुए अग्निकांड के बाद पूरे प्रदेश में कोचिंग सेंटरों , बैंकट हाल, होटलो की जांच के आदेश के बाद, कस्बे व क्षेत्र में थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह व नायब तहसीलदार बबलू कुमार ने टीम के साथ कस्बे मे कोचिंग सेंटरो, बैंकट हॉल, होटल व अस्पतालों की जांच की। गुरुवार दोपहर को एसओ धर्मेंद्र कुमार व नायब तहसीलदार बबलू कुमार ने टीम के साथ चेकिंग अभियान चलाया। टीम ने कस्बे के देहरादून रोड पर स्थित हरि हॉस्पिटल, निशा गार्डन, संगम पैलेस, विरासत गार्डन, रॉल्स रॉयस होटल, सय्यद माजरा स्थित हॉस्पिटल की गहनता से जाँच की। इस दौरान संचालको को पाई गई कमियों को जल्द सुधारने की चेतावनी दी गई।

बच्चों की सुरक्षा से समझौता नहीं: अनफिट वाहनों को सीज करने के लिए डीएम ने दिए कड़े निर्देश

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने उन सभी स्कूल वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है, जिनकी फिटनेस प्रमाणपत्र अवधि समाप्त हो चुकी है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि ऐसे सभी वाहन तत्काल परिवहन विभाग में प्रस्तुत कर फिटनेस प्रमाणपत्र प्राप्त करें। ऐसा न करने पर वाहन का चालान, निरुद्धीकरण और संबंधित विद्यालय प्रबंधन के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उत्तर प्रदेश शासन के परिवहन विभाग के निदेर्शों पर जिले में 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक स्कूली वाहनों के विरुद्ध एक विशेष अभियान चलाया गया था। इस अभियान के दौरान कई ऐसे विद्यालय वाहन चिह्नित किए गए जिनकी फिटनेस अवधि समाप्त हो चुकी थी या उनके आवश्यक अभिलेख पूरे नहीं थे।

इसके बाद परिवहन विभाग ने संबंधित विद्यालयों को कई बार नोटिस भेजे, दूरभाष पर संपर्क किया और अधिकारियों ने व्यक्तिगत रूप से विद्यालयों में जाकर भी जानकारी दी। हालांकि, इसके बावजूद कई स्कूल

प्रबंधन अपने वाहनों की फिटनेस कराने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। प्रशासन ने बताया कि स्कूल वाहनों की निगरानी अब तकनीकी माध्यमों से भी की जा रही है। उत्तर प्रदेश इंटीग्रेटेड स्कूल व्हीकल मॉनिटरिंग पोर्टल पर जिले के सभी विद्यालय वाहनों का विवरण उपलब्ध है। इस पोर्टल की निगरानी जिला स्तर के साथ-साथ शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग और मुख्यालय स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी की जा रही है। इन प्रयासों के बावजूद, कई विद्यालयों के वाहन अभी भी बिना वैध फिटनेस के पोर्टल पर दर्ज हैं, जो बच्चों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि फिटनेस प्रमाणपत्र किसी भी वाहन की सड़क पर सुरक्षित संचालन की सबसे महत्वपूर्ण शर्त होती है। फिटनेस समाप्त होने के बाद वाहन के ब्रेक, टायर, स्टीयरिंग, लाइट, आपातकालीन निकास द्वार और अन्य सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच नहीं हो पाती, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। स्कूली वाहनों में प्रतिदिन सैकड़ों बच्चे यात्रा करते हैं, इसलिए ऐसे मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने जिले के सभी विद्यालय संचालकों और प्रबंधकों को निर्देशित किया है कि वे अपने वाहनों के सभी अभिलेखों की जांच कर लें और जिन वाहनों की फिटनेस समाप्त हो चुकी है, उनका तत्काल नवीनीकरण कराएं। उन्होंने कहा कि यदि कोई फिटनेस समाप्त वाहन बच्चों को लेकर सड़क पर संचालित मिलता है तो उसके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान की कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर वाहन को निरुद्ध भी किया जाएगा और संबंधित विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियमों की अनदेखी करने वाले विद्यालयों को बख्शा नहीं जाएगा। आने वाले दिनों में परिवहन विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीमों द्वारा स्कूल वाहनों की सघन जांच भी की जा सकती है। ऐसे में सभी विद्यालयों को समय रहते अपने वाहनों की फिटनेस और अन्य आवश्यक दस्तावेज दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जानलेवा हमले के चार आरोपी गिरफ्तार, तमंचा व तलवार बरामद

पहासू पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। थाना पहासू पुलिस ने जानलेवा हमला और मारपीट के मामले में चार वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस, तलवार, पंच और कड़ा बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार 23 जून को कस्बा भूपनगर निवासी ओमवीर सिंह एवं उनके परिवार के साथ मारपीट की गई थी, जिसमें कई लोग घायल हुए थे। मामले में दर्ज मुकदमे की विवेचना के दौरान थाना पहासू पुलिस ने वीके उर्फ प्रिंस, बजरंगी उर्फ अशोक, विमल तथा सुमित उर्फ कालू को गिरफ्तार कर लिया।

एसएसपी बुलंदशहर के निर्देशन में की गई कार्रवाई के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम व पॉक्सो एक्ट की धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

सिद्धार्थनगर मेडिकल कॉलेज: ओपीडी समय में बदलाव, अब शाम 4 बजे तक मिलेगी चिकित्सकीय सुविधा

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद के माधव प्रसाद त्रिपाठी राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध संयुक्त जिला चिकित्सालय में ओपीडी संचालन व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। मरीजों को बेहतर, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अस्पताल प्रशासन ने नई व्यवस्था लागू की है। प्राचार्य द्वारा जारी आदेश के अनुसार अस्पताल की सभी ओपीडी सेवाएं प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित होंगी। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय मरीजों के हित और जनहित को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाया जा सके।

रजिस्ट्रेशन काउंटर दोपहर 3 बजे तक रहेगा खुला:

नई व्यवस्था के तहत मरीजों के पंजीकरण के लिए संचालित पर्चा एवं रजिस्ट्रेशन काउंटर सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक खुला रहेगा। दोपहर

3 बजे के बाद नए मरीजों का पंजीकरण नहीं किया जाएगा। हालांकि, पहले से पंजीकृत मरीजों का उपचार निर्धारित समय तक जारी रहेगा।

डॉक्टरों और कर्मचारियों को दिए गए निदेर्श:

प्राचार्य ने सभी विभागाध्यक्षों, चिकित्सकों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि ओपीडी समय के दौरान मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। मरीजों को निर्बाध, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना सभी की जिम्मेदारी होगी। अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश के अनुपालन में किसी भी प्रकार की शिथिलता, लापरवाही या उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी अथवा कर्मचारी स्वयं उत्तरदायी होंगे।

दूरदराज के मरीजों को भी मिलेगा लाभ:

अस्पताल प्रशासन के मुताबिक नई व्यवस्था लागू होने से मरीजों को इलाज के लिए अधिक समय मिलेगा और चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा। इससे दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

आम के बाग में पेड़ कटने पर, वन विभाग ने दर्ज किया मुकदमा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। शाहजहांपुर क्षेत्र में स्थित एक आम के बाग से पेड़ काटे जाने के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। शिकायत मिलने के बाद वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार शाहजहांपुर निवासी शाहिद खान पुत्र इस्लाम खान ने वन विभाग को शिकायत देकर आरोप लगाया था कि विवादित भूमि पर स्थित आम के पेड़ों का कटान किया गया है। शिकायत में उन्होंने बताया कि उक्त भूमि उनके परिवार की संयुक्त पैतृक संपत्ति है, जिसे लेकर न्यायालय में वाद विचाराधीन है तथा न्यायालय से स्थगन आदेश भी प्राप्त है।

शिकायत के आधार पर वन विभाग द्वारा मामले की जांच की गई। जांच के बाद नित्यानंदपुर निवासी वासिद पुत्र मुमताज के विरुद्ध उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम-1976 की धारा 4/10 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है।

वन विभाग के बीट प्रभारी अतुल दुबे ने बताया कि शिकायत की जांच में प्रथम दृष्टया मामला सही पाए जाने पर विधिक कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच जारी है तथा जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मोहर्रम की आठवीं की रात कस्बा हल्लौर में अलम, ताबूत का जुलूस निकालकर अकीदतमंदों ने किया नौहां-मातम

असदुल्लाह सिद्दीकी

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। मोहर्रम की आठवीं बुधवार की रात डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के कस्बा हल्लौर स्थित इमामबाड़ा हुसैनिया बाबुल से कदीमी(परम्परागत) अलम और ताबूत का जुलूस इमाम बारगाह के मोतवल्ली अकबर मेंहदी की देखरेख में निकाला गया।

जुलूस नौहा मातम के बीच पूरे कस्बे में गश्त कर बृहस्पतिवार की सुबह 5 बजे समाप्त हो गया। इस दौरान जगह-जगह मर्सिया मजलिस आयोजित कर शहादत अली अकबर और अली असगर पर रोशनी डाली गई। पूरा माहौल गमगीन बना रहा। जानकारी के अनुसार डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के कस्बा हल्लौर स्थित इमामबाड़ा हुसैनिया बाबुल से बुधवार की रात 10:30 बजे शबीहे ताबूत अली अकबर व अली असगर अलम के साथ निकाला गया।

जो इमाम बारगाह वफ्फ शाह आलमगीर सानी, दरगाह हजरत अब्बास, जन्नतुल बकी,होते हुए पूरे कस्बे में गश्त किया। इस दौरान

अकीदतमंदों ने अली अकबर,अली असगर की शहादत से मंसूब (आधारित) नौहा पढ़ कर पूरी शिद्दत से मातम किया। मौलाना मुबारक अली, जाकिर जमाल हैदर, अजीम हैदर, काजिम कर्बलाई आदि ने मजलिस को खिताब करते हुए अली अकबर अलैहिस्सलाम और अली असगर अलैहिस्सलाम के शहादत के मंजर को बयान किया। जिसे सुनकर अकीदतमंद हाय अली अकबर की सदा बुलंद कर रो पड़े।

इस दौरान अकबर मेंहदी, अकील हैदर,काजिम कर्बलाई,समाजसेवी डाक्टर फकरूल हसन, समाजसेवी सैययद सैफ हैदर रिजवी, वसीउल हसन, हाशिम रिजवी पत्रकार, शबबन, असगर अब्बास, लाडले, आसिफ, खुशतर, अहमद रजा, बब्लू, आमिर आदि लोग मौजूद रहे।

चढत के दौरान ड्रोन कैमरा तोडने पर दोनों पक्षों में मारपीट

बुगरासी/खानपुर(वेलकम इंडिया)। क्षेत्र के गांव हिमामाबाद में एक शादी में चढत के दौरान कैमरा तोडे जाने को लेकर बरातियों व फोटो ग्राफर पक्ष में विवाद हो गया जिससे समारोह स्थल पर भागदौड़ मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला और शादी की रस्मे पूरी कराकर बरात को बिदा कराया। जानकारी के अनुसार थाना खानपुर के गांव हिमामाबाद निवासी मधु बाल्मीकि की बेटी की शादी 22 जून को पवसरा गांव से आई थी।बारात में चढत के दौरान फोटो ग्राफर विडियो ग्राफिंग कर रहा था तभी कुछ युवकों ने कैमरे को पत्थर मार दिया जिससे कैमरा टूट कर नीचे गिर गया।उसी दौरान बरातियों और फोटोग्राफर के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढने पर फोटोग्राफर पक्ष ने अपने गांव से कुछ साथी बुला लिए और दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई जिससे घटना में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। एस ओ खानपुर रितेश सिंह ने बताया कि कैमरा तोडे जाने को लेकर विवाद था जिससे ग्रामीणों ने मिल बैठकर सुलझा लिया है। बारात भी बिदा होकर चली गई है।

प्लॉट के नाम पर दो लाख की ठगी, विरोध करने पर घर में घुसकर मारपीट

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू में प्लॉट बेचने के नाम पर करीब दो लाख रुपये की कथित ठगी और विरोध करने पर घर में घुसकर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी अनीस पुत्र गुलजार ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके गांव निवासी ईश्वर सिंह ने उसे गांव गंगेरू में 100 वर्गगज का प्लॉट दिखाकर बेचने का सौदा किया था। आरोप है कि सौदा तय होने के बाद उसने 69 हजार रुपये का चेक और अन्य माध्यमों से कुल 1.99 लाख रुपये आरोपी को दे दिए। रकम लेने के बावजूद आरोपी ने न तो प्लॉट का बैनामा कराया और न ही पैसे वापस किए। इसके उलट वह लगातार टालमटोल करता रहा।पीड़ित का आरोप है कि जब उसने अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपी रंजिश रखने लगा। आरोप है कि एक फरवरी 2026 को ईश्वर सिंह अपने चार साथियों प्रिंस, अब्दुल्ला, एहसान व मेहरबान के साथ ईको कार में सवार होकर उसके घर पहुंचा और जबरन घर में घुस गया।

भारतीय चिकित्सा पद्धति और सुश्रुत के वैश्विक योगदान को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। विश्व के सबसे प्राचीन और प्रतिष्ठित शल्य संस्थानों में से एक रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स (1505 ई0 में स्थापित) एडिनबर्ग स्कॉटलैंड में 'फादर ऑफ सर्जरी महर्षि सुश्रुत की प्रतिमा के अनावरण पर सुप्रसिद्ध चिकित्सक कपिल शर्मा ने कहा कि भारतीय चिकित्सा पद्धति और सुश्रुत के वैश्विक योगदान को अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिला है। प्रतिमा अनावरण को लेकर स्याना के चिकित्सकों की बैठक में अपने संबोधन के दौरान डॉ कपिल शर्मा ने उपरोक्त बात कही।

डॉ मनोज कुमार शर्मा ने कहा कि सर्जरी जैसे विषय पर सुश्रुत संहिता दुनिया का पहला ग्रंथ है, जिसमें 184 अध्याय, 1120 रोग, 700 औषधीय पौधों, 64 खनिजों और 57 पशु उत्पादों का वर्णन मिलता है। उल्लेखनीय है कि महर्षि सुश्रुत ने 2600 वर्ष पूर्व शल्यक्रिया की नींव

रखी। सुश्रुत संहिता के अनुसार आयुर्वेद का ज्ञान ब्रह्मा से दक्ष प्रजापति, फिर अश्विनी कुमारों तत्पश्चात इंद्र व इंद्र से भगवान धन्वन्तरि को मिला। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का देवलोक से पृथ्वी पर अवतरण धनवन्तरि द्वारा हुआ तथा धनवन्तरि के शिष्य सुश्रुत हुए।

डॉ डी सी त्यागी ने कहा कि सुश्रुत ने सैकड़ों प्रकार के सर्जिकल प्रोसीजर, यंत्र, क्षारकर्म, अग्निकर्म, राइनोप्लास्टी, नासा, दंत, मुख और कर्णरोगों की सर्जरी के बारे में विस्तार से लिखा है, जो हिप्पोक्रेट्स (460-370 बीसी) से 1000 वर्ष पूर्व ही पूर्ण विकसित व प्रयोग में थे। कालान्तर में अहिंसा के विचार को प्रोत्साहन मिलने के कारण इसका उत्तरोत्तर ह्रास होता गया।

डॉ यज्ञदत्त शर्मा ने बताया कि अंग प्रत्यारोपण से लेप्रोटोमी तक, नेत्रों की सर्जरी से सिजेरियन तक, धातुकर्म, रस- रसायन, पशु चिकित्सा, भ्रूण विज्ञान, ब्रह्मांड विज्ञान आदि कुछ ऐसा नहीं जो आयुर्वेद के संहिता ग्रंथों में न हो। डॉ एस के शर्मा ने कहा कि मध्य युग में जब यूरोप निष्क्रियता के दौर से गुजर रहा था, तब भी हमारा चिकित्सा विज्ञान फल-फूल रहा था। डॉ रेखा शर्मा ने बताया कि वैदिक तथा संहिता काल में शल्य तंत्र पठन-पाठन एवं चिकित्सकीय रूप में अत्यंत उच्च स्तर पर था।

डॉ हेमा शर्मा ने कहा कि दुनिया भर को सर्जरी व चिकित्सा विज्ञान का ककहरा सिखाने वाले भगवान धन्वन्तरि, महर्षि सुश्रुत एवं आचार्य चरक की भव्य और दिव्य प्रतिमाएं काशी और हरिद्वार जैसे स्थलों पर भारतवर्ष में भी स्थापित होनी ही चाहिये। बैठक में डॉ लीलाधर शर्मा, डॉ नरेंद्र कुमार, सुप्रसिद्ध दवा निमार्ता, द हिमालय ड्रग कंपनी के रीजनल मैनेजर आर्येन्द्र शर्मा तथा हर्ष गौड़ भी उपस्थित रहे। सभी ने यूके में रहने वाले तेलगू मूल के सर्जन प्रोफेसर चंद्रा चेरुवू और उनके परिवार द्वारा बनाए गए चेरूवू फैमिली फाऊंडेशन का आभार प्रकट किया, जिनके सौजन्य से प्रतिमा की स्थापना की गई है।

ई-रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में AIMIM उतरी, वकीलों के आंदोलन को दिया समर्थन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में 1 जुलाई 2026 से लागू होने वाली ई-रजिस्ट्री व्यवस्था और रजिस्ट्री कार्यालय का काम निजी संस्थाओं को सौंपे जाने के विरोध में अधिवक्ताओं का आंदोलन तेज हो गया है। दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी, मुरादाबाद के नेतृत्व में चल रहे विरोध प्रदर्शन को अब ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने भी समर्थन दे दिया है। AIMIM पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। पार्टी के प्रदेश सचिव वकी रशीद ने बताया कि AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली के निर्देश पर पार्टी अधिवक्ताओं के समर्थन में उतरी है। वकीलों की आवाज लोकतंत्र की आवाज है और उसे दबाने का कोई भी प्रयास स्वीकार नहीं किया जाएगा। वकी रशीद ने कहा कि देश की आजादी में अधिवक्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन पर किसी भी प्रकार के काले कानून थोपने का प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। आंदोलनकारियों ने सरकार से प्रस्तावित ई-रजिस्ट्री व्यवस्था को वापस लेने की मांग की है। उनका कहना है कि यह व्यवस्था आम जनता और अधिवक्ताओं दोनों के हित में नहीं है।

निमार्णाधीन मकान की तीसरी मंजिल से गिरकर मजदूर की मौत, अवैध निमार्णों पर उठे सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

खुर्जा/बुलंदशहर। कस्बा खुर्जा में निमार्णाधीन तीन मंजिला मकान पर काम कर रहे एक मजदूर की ऊंचाई से गिरने के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने कोतवाली पहुंचकर कार्रवाई की मांग की, जिसके बाद पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, पिलखुवा (हापुड़) निवासी चमन खुर्जा के न्यू शिवपुरी स्थित एक निमार्णाधीन मकान पर लेंटर की सेंटरिंग का कार्य कर रहा था। आरोप है कि कार्य के दौरान वह तीसरी मंजिल से सीधे नीचे गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। साथी मजदूर उसे तत्काल सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे अलीगढ़ के लिए रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के जीजा लेखराज ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि हादसे के बाद ठेकेदार राहुल और मकान मालिक द्वारा घायल मजदूर के उपचार की तत्काल व्यवस्था नहीं की गई। कुछ समय बाद साथी मजदूरों ने उसे

अस्पताल पहुंचाया। परिजनों ने दोषी ठेकदार राहुल और मकान मालिक जितेंद्र उर्फ संजय के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्याय की मांग की है। मजदूर की मौत के बाद परिजन शव लेकर नगर कोतवाली पहुंचे और विरोध जताने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें उचित कार्रवाई और मुकदमा दर्ज करने का आश्वासन देकर शांत कराया। घटना के बाद क्षेत्र में चल रहे अवैध निमार्णों और श्रमिक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि खुर्जा क्षेत्र में कई स्थानों पर बिना आवश्यक अनुमति और सुरक्षा मानकों के बहुमंजिला और मकानों के निर्माण कार्य जारी हैं। निर्माण स्थलों पर मजदूरों के लिए सुरक्षा उपकरणों और एहतियाती व्यवस्थाओं का अभाव देखने को मिलता है। लोगों का आरोप है कि ऐसे निर्माण कार्यों पर संबंधित विभागों द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिसके चलते आए दिन हादसों की आशंका बनी रहती है। लोगों का आरोप है कि बुलंदशहर खुर्जा विकास प्राधिकरण भी ऐसे अवैध निर्माण को नहीं रोक पा रही है। जिससे ये हादसा हुआ है।

बुलंदशहर के महिला थाने में 6 माह के अन्दर 125 परिवारों के झगड़े किये खत्म: स्वाति रानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। समाज में लोग लड़का और लड़की की शादी एक अच्छे परिवार में कराते आ रहे, परंतु अनेक परिवारों में शादी के कुछ समय बाद ही अनेक बातों को लेकर झगड़ा उत्पन्न हो रहे। जिनकी शिकायत महिला थाने में आ रही जिनकी शिकायतो पर गंभीरता से महिला थाना प्रभारी स्वाति रानी संज्ञान ले रही और जल्द से जल्द लड़का और लड़की व उनके परिवारजनों को महिला थाने में बुलाकर मामले का निस्तारण करने में सफल हो रही। जिससे दोनों के बीच में सभी नाराजगी खत्म हो सके और दोनों परिवार खुशी से जीवन यापन कर

सकें। स्वाति रानी महिला थाना प्रभारी द्वारा बताया गया कि सन 2026 में 1 जनवरी से लेकर और माह जून तक लगभग 125 लड़का - लड़की के जोड़ों की शिकायतों का निस्तारण कराकर उनके घर को बसाया गया और दोनों को नाराजगी दूर करते हुए एक साथ जीवन यापन करने के लिए घर भेजा गया। वरिष्ट पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सभी लोगों की शिकायतों का निस्तारण करना उनका प्रथम कार्य है। तथा आगे भी इसी तरह ज्यादा से ज्यादा परिवारों के झगड़े को समाप्त कर उन्हें घर बसाने का सुझाव दिया जा रहा। दोनों पक्षों की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए ठोस कदम उठाए जा रहे। लड़का और लड़की के दोनों पक्षों द्वारा भी बताया गया कि महिला थाना प्रभारी द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा तथा अधिक से अधिक परिवारजनों की शिकायतों का निस्तारण बहुत कम समय में कराकर उन्हें जीवन यापन करने के लिए खुशी-खुशी घर भेजा जा रहा किसी भी परिवार को अलग करने का उनका कोई मकसद नहीं है।

डॉ. अवनीश त्यागी मल्टी स्पेशलिटी डेंटल क्लिनिक ने लॉन्च किया 'केएटी अलाइनर्स'

अनिल वशिष्ठ

मुरादनगर(वेलकम इंडिया)। 25 वर्षों की सेवा की विरासत को आगे बढ़ाते हुए दंत चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट सेवाओं और मरीजों के विश्वास के लिए पहचान रखने वाले डॉ. अवनीश त्यागी मल्टी स्पेशलिटी डेंटल क्लिनिक ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की है। क्लिनिक प्रबंधन द्वारा दिवंगत डॉ. अवनीश त्यागी के जन्मदिवस के अवसर पर ह्लकेएटी अलाइनर्स सेवा के शुभारंभ की घोषणा की गई।

यह जानकारी क्लिनिक के वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. प्रदीप राघव ने दी। उन्होंने बताया कि वर्षों से आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण दंत उपचार प्रदान करने वाला यह प्रतिष्ठित संस्थान अब एक नई पहल के साथ अपनी सेवाओं का विस्तार कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य आधुनिक ऑर्थोडॉन्टिक उपचार (दांतों को सीधा और व्यवस्थित करने की तकनीक) को अधिक प्रभावी, सुविधाजनक और सुलभ बनाना है। प्रबंधन के अनुसार, केएटी अलाइनर्स अत्याधुनिक क्लियर अलाइनर तकनीक पर आधारित सेवा है, जिसके माध्यम से मरीज बिना पारंपरिक तारों और ब्रेसेस के अपने दांतों को सही स्थिति में ला सकेंगे। यह उपचार न केवल सौंदर्य की दृष्टि से बेहतर है, बल्कि अधिक आरामदायक और आधुनिक जीवनशैली के अनुरूप भी है।

क्लिनिक द्वारा जारी जानकारी में बताया गया कि दिवंगत डॉ. अवनीश त्यागी ने अपने लंबे चिकित्सा जीवन में हजारों मरीजों का सफल उपचार कर क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई थी।

उनकी सोच और सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए क्लिनिक की अनुभवी टीम आज भी आधुनिक उपकरणों, डिजिटल स्कैनिंग तकनीकों और उन्नत उपचार प्रणालियों के माध्यम से मरीजों को बेहतर सेवाएं प्रदान कर रही है। प्रबंधन का कहना है कि केएटी अलाइनर्स की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि इसकी सेवाएं केवल मोदीनगर और आसपास के क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि डिजिटल तकनीक और विशेषज्ञ मार्गदर्शन के माध्यम से देशभर के मरीज भी इसका लाभ उठा सकेंगे। अर्चना त्यागी ने कहा कि स्वर्गीय डॉ. अवनीश त्यागी ने अपना पूरा जीवन मरीजों की सेवा और दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए समर्पित किया। उनका सपना था कि आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण दंत चिकित्सा सुविधाएं अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचें। आज उनके जन्मदिवस पर 'केएटी अलाइनर्स' का शुभारंभ उनकी उसी सोच और संकल्प को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है। हमें विश्वास है कि यह पहल मरीजों को आधुनिक, सुविधाजनक और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस मौके पर अर्चना त्यागी, डॉ. आकाश राज, डॉ. सुनैना, डॉ. वंश त्यागी, डॉ. केशव, डॉ. संतोष, हरीश त्यागी सहित क्लिनिक का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में सांसद को सौंपा ज्ञापन

अनिल वशिष्ठ

मुरादनगर(वेलकम इंडिया)। ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में दस्तावेज लेखकों का तहसील मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना बृहस्पतिवार को भी जारी रहा। दस्तावेज लेखक और अधिवक्ता काम बंद कर तहसील मुख्यालय पर धरना दे रहे हैं। बैनामे बंद होने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सांसद डॉक्टर राजकुमार सांगवान ने मोदीनगर तहसील परिसर में अधिवक्ताओं, बैनामा लेखकों, स्टांप विक्रेताओं, वेंडरों, कंप्यूटर ऑपरेटरों एवं मुंशियों द्वारा दस्तावेजों के पंजीकरण की व्यवस्था निजी संस्थाओं के माध्यम से लागू किए जाने के विरोध में चल रहे धरना-प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर उनसे विस्तृत वार्ता की। इस दौरान उनकी समस्याओं एवं मांगों को गंभीरता से सुना साथ ही उन्हें आश्वस्त किया कि इस महत्वपूर्ण विषय पर मुख्यमंत्री से शीघ्र मुलाकात कर उनकी भावनाओं एवं मांगों से अवगत कराया जाएगा तथा आवश्यक एवं सकारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित कराने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर पंजाबी संगठन द्वारा शबील (शर्बत) सेवा का आयोजन किया

अनिल वशिष्ठ

मुरादनगर(वेलकम इंडिया)। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर पंजाबी संगठन मोदीनगर ,महिला पंजाबी संगठन और लायंस क्लब मोदीनगर उड़ान इंटरनेशनल द्वारा रुक्मणी मार्केट में शबील (शर्बत) सेवा का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों एवं श्रद्धालुओं को शीतल शर्बत वितरित कर सेवा भाव का परिचय दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मोदीनगर की विधायक डॉ. मंजू शिवाच तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष आकाश शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने दोनों संगठनों द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में संगठनों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा आने-जाने वाले लोगों को शर्बत वितरित कर पुण्य सेवा में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर पंजाबी संगठन के अध्यक्ष अजय ग्रोवर, संजय नैय्यर, संजीव गुलाटी, राहुल बारी, बॉबी चौधरी एवं रमेश खुराना गुरदीप सिंह, विन्नी ढींगरा, रमेश नारंग, हिमांशु थापर, आशीष अरोड़ा, मुकुल भारद्वाज उपस्थित रहे। महिला पंजाबी संगठन की ओर से अध्यक्ष डॉ. शालिनी नैय्यर,हर्षिता चौधरी, गीता मोहन अरोड़ा, डॉ. सुषमा त्यागी, राजकुमारी मुन्नी, शाइस्ता, नीता गर्ग,रोजी आनंद, ,मीना भल्ला अंजलि अरोड़ा, वीना चावला, अमिता आहूजा एवं अनीता शर्मा ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि निर्जला एकादशी का पर्व सेवा, दान एवं मानव कल्याण का संदेश देता है। इसी भावना के साथ शबील सेवा का आयोजन किया गया।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर रोजगार मेले का आयोजन एक अच्छा कदम-बृजेश सेन

अनिल वशिष्ठ

मुरादनगर(वेलकम इंडिया)। शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पर मोदीनगर कांग्रेस कमेटी की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बृजेश कुमार सेन और संचालन ब्लॉक अध्यक्ष मोदीनगर चांद वीर चौधरी ने किया। बैठक में जननायक नेता विपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन पर विभिन्न कंपनियां के द्वारा लगाए गए रोजगार मेले में लगभग 15000 युवाओं को कंपनियों ने नियुक्ति पत्र देने पर खुशी जाहिर की गई। पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा ने कहा कि आज युवाओं की आवाज पूरे देश में राहुल गांधी ही उठा रहे हैं राहुल गांधी जी के इसी काम से प्रभावित होकर कारपोरेट जगत की सैकड़ो कंपनियों ने रोजगार मेले का दिल्ली में आयोजन किया था। इस अवसर पर मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य सुनील शर्मा, हरिशंकर कौशिक, श्रीओम शर्मा, भिखारी लाल कश्यप, लकी कश्यप, अभिनव शर्मा, राकेश सोनी, जहुर अहमद, अजीत सिंह, कल्पना सिंह, रविंद्र कुमार, भोलाराम ,हरपाल सिंह और संजय शर्मा आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

श्री वैश्य कुटुम्ब सेवा समिति ने गौशाला में गौ वंश हेतु शीतल शरबत की व्यवस्था की

अनिल वशिष्ठ

मुरादनगर(वेलकम इंडिया)। श्री वैश्य कुटुम्ब सेवा समिति (पंजी)द्वारा गंगा दशहरे व निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर गौशाला में गौ वंश हेतु शीतल शर्बत की व्यवस्था की गई। श्री वैश्य कुटुम्ब सेवा समिति (पंजी) की संयोजिका प्रियंका गुप्ता द्वारा गौशाला मे गौवंश हेतु शरबत की व्यवस्था करी गयी। प्रदेश चेयरमैन डा. वर्षा गुप्ता ने बताया हिन्दू धर्म में गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि मातृत्व, करुणा, समृद्धि और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक मानी जाती है। इसी कारण गौ-सेवा और गौ-रक्षा को पुण्य कार्य माना गया है।

वही समन्वय समिति की सदस्या एकता अग्रवाल ने कहा हमारे हिन्दू धर्म में गाय को 'गौमाता' कहा जाता है और उसे अत्यंत पूजनीय माना गया है। गाय की उपयोगिता केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, कृषि और स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण मानी गई है। वही समन्वय समिति की शालिनी गर्ग ने कहा कि गौ माता को हमारे सनातन संस्कृति में करूणा, समृद्धि और धर्म का प्रतीक माना गया है। गौ सेवा मे रीता गर्ग द्वारा लौकी की सेवा दी गयी। आर्थिक सहयोग संस्था की ही प्रियंका गुप्ता का विशेष रूप से रहा। प्रियंका मोदी, अर्चना गुप्ता, शालिनी गर्ग, रश्मि गुप्ता, ललिता, शालू गुप्ता, दीप्ती, चीनू, दीपाली, आशा, भावना का भी सहयोग रहा। संगठन के द्वारा गौ सेवकों के लिए भी शीतल पेय की व्यवस्था करी गयी तथा संदीप सैनी व सुन्दर का विशेष आभार व्यक्त किया गया।

पंजाब एंड सिंध बैंक की आईटीएस शाखा ने छबील लगाकर मनाया स्थापना दिवस

अनिल वशिष्ठ

मुरादनगर(वेलकम इंडिया)। पंजाब एंड सिंध बैंक की आईटीएस शाखा द्वारा बैंक का स्थापना दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बैंक परिसर के बाहर छबील (शीतल मीठे जल) का आयोजन कर राहगीरों, विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों को जल वितरण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और बैंक की इस सामाजिक पहल की सराहना की। शाखा प्रबंधक नीतीश कुमार रंजन ने बताया कि पंजाब एंड सिंध बैंक अपने स्थापना दिवस के अवसर पर केवल बैंकिंग सेवाओं तक सीमित न रहकर सामाजिक सरोकारों को भी प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के मौसम में छबील लगाकर लोगों की सेवा करना मानवता की सच्ची सेवा है। इस तरह के आयोजन समाज में आपसी भाईचारे, सहयोग और सेवा भावना को मजबूत करते हैं।कार्यक्रम के दौरान बैंक कर्मचारियों ने राहगीरों को शीतल पेयजल वितरित किया और लोगों को बैंक की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा डिजिटल बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी भी दी। बैंक अधिकारियों ने ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विश्वास और सहयोग से ही बैंक निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हिमांशु शेखर, हिमांशी धामा, शिवानी, निशांत कुशवाहा, गौरव सहित बैंक के अन्य कर्मचारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सेवा और समर्पण का अनूठा संगम, निर्जला एकादशी पर स्वास्थ्य शिविर, बांटी राहत और मुस्कान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। निर्जला एकादशी के पावन अवसर और अपने विवाह की वर्षगांठ को समाज सेवा के रूप में मनाते हुए राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिला संरक्षक डॉ. ओपी अग्रवाल ने गुरुवार को नासीरपुर फाटक स्थित लेबर चौक पर विशाल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं शीतल पेय वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस जनसेवा अभियान में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, श्रमिकों और राहगीरों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा निःशुल्क दवाइयों एवं शीतल पेय का लाभ उठाया। पूरे आयोजन में सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। शिविर में अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने सैकड़ों लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। जरूरतमंद मरीजों को मौके पर ही निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों और श्रमिकों के लिए कोल्ड ड्रिंक की बोतलों का वितरण भी किया गया, जिससे लोगों को राहत मिली। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष बालकिशन गुप्ता, पंडित अशोक भारतीय, मदन गोपाल शर्मा, उमेश कुमार सहित अनेक पदाधिकारियों ने डॉ. ओपी अग्रवाल को विवाह वर्षगांठ की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के प्रति डॉ. अग्रवाल का समर्पण अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है और उनका यह प्रयास जनहित में सराहनीय है। स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में अंकित, नीरज और अंशु ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तीनों ने 35 लोगों की एचआईवी जांच के लिए स्लाइड तैयार करने के साथ-साथ मरीजों को निशुल्क दवा वितरण में भी सक्रिय सहयोग किया। उनके सेवा भाव की उपस्थित लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम में परियोजना प्रबंधक श्रीमती संगीता दुबे भी मौजूद रहीं और शिविर के सफल संचालन में सहयोग किया। पूरे आयोजन में सामाजिक कार्यकताओं, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही। अंत में डॉ. ओपी अग्रवाल ने सभी सहयोगियों, चिकित्सकों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की सेवा ही उनके जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य है और भविष्य में भी इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

नंदग्राम में अब बिजली कटौती नहीं बनेगी बड़ी परेशानी, लाइन में खराबी आने पर अब तेजी से बहाल होगी बिजली आपूर्ति

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नंदग्राम क्षेत्र के करीब 30 हजार बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। विद्युत निगम ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को और अधिक मजबूत एवं निर्बाध बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 220 केवी मोरटा विद्युत उपकेंद्र से नंदग्राम बिजलीघर के लिए नया बैकअप बिजली स्रोत शुरू कर दिया है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद किसी भी प्रमुख लाइन में तकनीकी खराबी आने पर उपभोक्ताओं को लंबे समय तक बिजली कटौती का सामना नहीं करना पड़ेगा और वैकल्पिक स्रोत से शीघ्र बिजली आपूर्ति बहाल की जा सकेगी। अब तक नंदग्राम बिजलीघर को कान्हा उपवन और मोरटी स्रोतों से बिजली आपूर्ति की जाती थी। इनमें मोरटी लाइन का बड़ा हिस्सा भूमिगत होने के कारण तकनीकी खराबी आने पर फॉल्ट का पता लगाने और उसे ठीक करने में कई घंटे लग जाते थे। ऐसे में बिजली आपूर्ति बहाल होने में अक्सर चार घंटे या उससे अधिक का समय लग जाता था, जिससे क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को गर्मी और अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ता था। विद्युत निगम द्वारा अब 220 केवी मोरटा को तीसरे और मजबूत बैकअप स्रोत के रूप में जोड़ने से स्थिति में बड़ा बदलाव आएगा। यदि किसी कारणवश मोरटी लाइन में फॉल्ट आता है तो दूसरी लाइन के माध्यम से तुरंत बिजली आपूर्ति शुरू की जा सकेगी। वहीं यदि कान्हा उपवन स्रोत से भी आपूर्ति बाधित होती है, तब भी लगभग एक घंटे के भीतर मोरटा स्रोत से बिजली बहाल कर दी जाएगी। इससे लंबे समय तक बिजली गुल रहने की समस्या काफी हद तक समाप्त होने की उम्मीद है। विद्युत निगम के अधिकारियों का कहना है कि नई तकनीकी व्यवस्था से बिजली आपूर्ति प्रणाली पहले की तुलना में अधिक मजबूत और विश्वसनीय होगी। फॉल्ट की स्थिति में उपभोक्ताओं को कम समय में बिजली उपलब्ध कराई जा सकेगी, जिससे दैनिक जीवन, घरेलू कार्यों और व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ने वाला असर भी काफी कम होगा।

भगवानगंज मंडी में ब्लिंकिट का डार्क स्टोर स्थायी रूप से होगा बंद, शिफ्टिंग के लिए मिला सीमित समय

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। स्थानीय भगवान गंज मंडी में सुरक्षा और अव्यवस्था के कारण पिछले 25 दिनों से बंद पड़े ब्लिंकिट डार्क स्टोर का विवाद थम गया है. ब्लिंकिट कंपनी के अधिकारियों ने आर.डब्ल्यू.ए. भगवान गंज मंडी के पदाधिकारियों के पास आकर विशेष अनुरोध (रिक्वेस्ट) किया कि उन्हें अपना सेटअप दूसरी जगह शिफ्ट करने के लिए कुछ समय दे दिया जाए। स्थानीय निवासियों और दुकानदारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, आर.डब्ल्यू.ए. ने कड़ी शर्तों के साथ कंपनी को 30 अगस्त 2026 तक स्टोर पूरी तरह खाली करने की अंतिम मोहलत दी है। तब तक के लिए निम्नलिखित नियम तय किए गए हैं। सीमित समयः स्टोर केवल सुबह 8:00 से शाम 7:00 बजे तक ही खुलेगा। राइडर्स पर रोकः परिसर में एक समय में 12-15 से ज्यादा डिलीवरी बॉय खड़े नहीं होंगे। अंतिम चेतावनीः 30 अगस्त के बाद कंपनी यहाँ किसी भी प्रकार का संचालन नहीं करेगी. किसी भी नियम का उल्लंघन होने पर स्टोर को प्रशासन के सहयोग से तुरंत बंद करा दिया जाएगा। इस अवसर पर राम किशोर अग्रवाल, डॉ. पवन सिंघल, मदन गोपाल गोयल, , अरविन्द अग्रवाल, डॉ. विनय मित्तल सहित समस्त मंडी निवासी उपस्थित रहे।

पासपोर्ट लोक अदालत में दिखा सुशासन का मॉडल, अनुज स्वरुप के नेतृत्व में आवेदकों को मिली बड़ी राहत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी और भरोसेमंद पासपोर्ट सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में हापुड़ चुंगी स्थित में गुरुवार को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज किया है। गुरुवार को आयोजित पासपोर्ट लोक अदालत में बड़ी संख्या में पहुंचे आवेदकों की वर्षों से लंबित शिकायतों और पासपोर्ट संबंधी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर उनका मौके पर ही प्रभावी एवं संतोषजनक निस्तारण किया गया। पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरुप, भारतीय विदेश सेवा ने स्वयं किया और प्रत्येक प्रकरण की गंभीरता से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए। लोक अदालत के दौरान क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरुप ने उपस्थित आवेदकों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी पात्र आवेदक का मामला अनावश्यक रूप से लंबित न रहे तथा सभी प्रकरणों का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उनके निदेर्शों के बाद विभिन्न लंबित मामलों की फाइलों की मौके पर ही समीक्षा की गई और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर कई मामलों का तत्काल समाधान किया गया। जिन मामलों में अतिरिक्त प्रक्रिया अपेक्षित थी, उनमें भी निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। लोक अदालत में पहुंचे आवेदकों ने इस व्यवस्था की खुलकर सराहना की। उनका कहना था कि एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद करने और समस्याओं का त्वरित समाधान मिलने से उन्हें बार-बार कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़े। कई आवेदकों ने इसे नागरिकों के हित में शुरू की गई एक प्रभावी और सराहनीय पहल बताया। पारदर्शी कार्यप्रणाली, सहज संवाद और त्वरित निर्णय प्रक्रिया ने लोगों का विश्वास और अधिक मजबूत किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरुप ने कहा कि विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, गाजियाबाद नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को बिना किसी अनावश्यक विलंब के निर्धारित मानकों के अनुरूप पासपोर्ट सेवा उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ निस्तारण किया जाए तथा सेवा वितरण की गुणवत्ता में लगातार सुधार किया जाए, जिससे नागरिकों का विश्वास और मजबूत हो। अनुज स्वरुप ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस प्रकार की जनहितकारी पहलें नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी, ताकि लंबित मामलों का शीघ्र समाधान हो सके और नागरिकों को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, पारदर्शी कार्यप्रणाली और जवाबदेही के माध्यम से पासपोर्ट सेवाओं को और अधिक सरल एवं प्रभावी बनाया जा रहा है। साथ ही सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक आवेदक के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करते हुए उसकी समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

संविधान हत्या दिवस पर भाजपा का प्रहार: 'आपातकाल ने लोकतंत्र की आवाज को किया था कैद'

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी गाजियाबाद महानगर इकाई की ओर से साहिबाबाद स्थित मॉडर्न कॉलेज में 'संविधान हत्या दिवस' के तहत संगोष्ठी एवं विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया।

कार्यक्रम महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जबकि संयोजन अमरेश शर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम ने शिरकत की।

उन्होंने गाजियाबाद के लोकतंत्र सेनानियों को भारत माता का चित्र भेंट कर सम्मानित करते हुए कहा कि 25 जून 1975 को लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का ऐसा काला अध्याय था, जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पहरा लगा दिया गया था।

पत्रकारों, लेखकों, शिक्षकों, कलाकारों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को जेलों में डालकर लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन किया गया, जो संविधान की मूल भावना पर सीधा आघात था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व मंच पर एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। केंद्र सरकार भारतीय संस्कृति, परंपराओं और विरासत के संरक्षण के साथ विकास की नई इबारत लिख रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने की। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने तथा संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विजय मोहन, एस.पी. सिंह, कृष्णवीर सिरोही, पंकज भारद्वाज, प्रदीप चौहान, गौरव चोपड़ा, भानु सिसोदिया, सचिन डेढ़ा, नीरज शर्मा, विनीत त्यागी, हेमंत त्यागी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लोनी बॉर्डर पुलिस का खुलासा: तीन दिन में दबोचे बाइक चोर, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की घटना का मात्र तीन दिन में सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 22 जून 2026 को पीड़ित द्वारा थाना लोनी बॉर्डर में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मोटरसाइकिल चोरी का मामला दर्ज कराया गया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और घटना के अनावरण के लिए विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, मैनुअल इनपुट और सर्विलांस की मदद से घटना का सफल खुलासा करते हुए गुरुवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान प्रशान्त चौहान उर्फ शक्ति उर्फ सन्नी उर्फ अक्की (34 वर्ष) निवासी पंक्षी विहार, देवला, ग्रेटर नोएडा तथा मूल निवासी कन्नौज और सौनस सिंह उर्फ सोनू (30 वर्ष) निवासी पंक्षी विहार, देवला, ग्रेटर नोएडा तथा मूल निवासी वाराणसी के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2), 317(5) एवं 3(5) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है तथा मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

कोचिंग सेंटरों पर अग्निशमन विभाग की सख्ती, 22 संस्थानों की जांच में 11 को थमाए नोटिस

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद में अग्नि सुरक्षा मानकों को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी के निर्देश पर गुरुवार को अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग ने जनपद के कोचिंग सेंटरों, पुस्तकालयों और अन्य भीड़-भाड़ वाले भवनों में विशेष अग्नि सुरक्षा जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान अग्निशमन विभाग की टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों में स्थित भवनों का निरीक्षण कर फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं, आपातकालीन निकास मार्गों, अग्निशमन उपकरणों, विद्युत सुरक्षा एवं अन्य सुरक्षा मानकों की पड़ताल की। जांच में जिन भवनों में अग्नि सुरक्षा संबंधी खामियां पाई गईं, उन्हें नियमानुसार नोटिस जारी कर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए। गंभीर कमियां मिलने पर संबंधित विभागों के सहयोग से आवश्यक कार्रवाई भी की गई। भवन संचालकों एवं प्रबंधकों को निकास मार्गों को अवरोधमुक्त रखने, अग्निशमन उपकरणों को क्रियाशील बनाए रखने तथा आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। अग्निशमन विभाग ने छात्रों, छात्राओं एवं आमजन को भी आग लगने की घटनाओं से बचाव तथा आपातकालीन परिस्थितियों में बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति जागरूक किया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देशन में जनपद के सभी प्रभारी अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में कुल 22 कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया, जिनमें से 11 संस्थानों को नोटिस जारी किए गए, जबकि कुछ कोचिंग संस्थान निरीक्षण के दौरान बंद पाए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

13 हजार रुपये बचाने के लिए रच डाली लूट की कहानी, पुलिस जांच में खुला राज

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के थाना अंकुर विहार क्षेत्र में लूट की एक शिकायत पुलिस जांच में पूरी तरह झूठी साबित हुई है। पुलिस के मुताबिक, बिहार के अरनिया निवासी विशाल ने 23 जून 2026 को ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि 18 जून को लोनी तिराहे पर दो अज्ञात बदमाशों ने उनके साथ मारपीट कर 35 हजार रुपये और एक वीवो मोबाइल लूट लिया तथा धक्का देकर फरार हो गए।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तथ्यों की पड़ताल की तो पता चला कि शिकायतकर्ता के यहां महबूब और जुल्फिकार नाम के दो मजदूर काम करते थे, जिन्हें विशाल ने 32 हजार रुपये कीमत का वीवो मोबाइल किस्तों पर दिलाया था। मजदूरों द्वारा मोबाइल के एवज में 13 हजार रुपये जमा भी कराए गए थे। जब दोनों मजदूर अपने घर जाने लगे तो विशाल ने उनसे मोबाइल वापस मांग लिया। मजदूर मोबाइल लौटाने के लिए वापस आए और अपने जमा 13 हजार रुपये वापस मांगे, लेकिन शिकायतकर्ता ने रकम लौटाने से इनकार कर दिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि इसी विवाद को छिपाने और मजदूरों पर दबाव बनाने के उद्देश्य से विशाल ने लूट की झूठी कहानी गढ़कर एफआईआर दर्ज करा दी। कथित रूप से लूटा गया मोबाइल पुलिस ने शिकायतकर्ता के कब्जे से ही बरामद कर लिया। पूछताछ में विशाल ने स्वीकार किया कि दोनों मजदूर उसके यहां काम करते थे और मोबाइल भी उसी ने दिलाया था। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

92 एकड़ जमीन के बदले 6% प्लॉट का इंतजार, भोपुरा में किसानों ने GDA के खिलाफ खोला मोर्चा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद के भोपुरा तिराहे पर गुरुवार को किसानों और स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करते हुए किसानों ने आरोप लगाया कि प्राधिकरण ने वर्षों पहले उनकी करीब 92 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया था और बदले में 6 प्रतिशत विकसित प्लॉट देने का वादा किया था, लेकिन आज तक यह वादा कागजों से आगे नहीं बढ़ सका।

धरने पर बैठे किसानों ने कहा कि भूमि अधिग्रहण के समय उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि निर्धारित नीति के तहत विकसित प्लॉट आवंटित किए जाएंगे। इसके बावजूद वर्षों बीत जाने के बाद भी किसानों को प्लॉट नहीं मिले हैं। उनका आरोप है कि हर बार आश्वासन देकर मामले को टाल दिया जाता है, जिससे प्रभावित परिवारों में रोष बढ़ता जा रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने जीडीए प्रशासन से तत्काल वार्ता कर लंबित मामलों का निस्तारण करने तथा किसानों को उनका हक दिलाने की मांग की। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

धरने के दौरान किसान नेता अमित कसाना और ग्रामीण नवीन ने भी किसानों की आवाज बुलंद करते हुए प्राधिकरण पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

मोहर्रम से पहले पुलिस अलर्ट, जुलूस मार्गों का किया गया निरीक्षण

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को सहायक पुलिस आयुक्त उपासना पाण्डेय ने थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में निकाले जाने वाले मोहर्रम जुलूस के निर्धारित मार्गों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

निरीक्षण के दौरान जुलूस मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने संवेदनशील स्थलों का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त ने स्थानीय नागरिकों एवं गणमान्य लोगों से संवाद स्थापित करते हुए मोहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। पुलिस प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाएगी, ताकि सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकें।

बेटी बनी खुशियों की सौगात: 18 नन्हीं परियों के जन्म पर अस्पताल में मना उत्सव

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जिला संयुक्त चिकित्सालय, संजय नगर में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने की, जबकि भाजपा गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान 18 नवजात बालिकाओं एवं उनके परिजनों के साथ केक काटकर कन्या जन्मोत्सव मनाया गया। बेटियों के जन्म की खुशियां साझा करते हुए सभी नवजात बालिकाओं को बेबी किट और मिठाई भेंट की गई तथा परिवारों को शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर अभिभावकों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की विस्तृत जानकारी दी गई और योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने हेतु प्रेरित किया गया।

साथ ही प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के उद्देश्य, पात्रता और लाभों से भी अवगत कराया गया, ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवार सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश तेवतिया, संरक्षण अधिकारी सागर श्रीवास्तव, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर नेहा वालिया सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने तथा उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया।

जनसुनवाई से बढ़ा भरोसा: डीएम की पहल पर बच्चों की एक साल की फीस माफ

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने आमजन की समस्याओं की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई जनसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है और प्रशासन को मानवीय संवेदनाओं के साथ जनहित में कार्य करना चाहिए। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, जीडीए, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी की संवेदनशील कार्यशैली का एक उदाहरण उस समय सामने आया, जब पटेल नगर निवासी एक महिला ने आर्थिक तंगी के चलते अपने पोतों की विद्यालय फीस माफी की गुहार लगाई। महिला के पोते छबीलदास स्कूल में अध्ययनरत हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए दोनों बच्चों की एक वर्ष की फीस माफ करा दी गई, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली। जिलाधिकारी ने कहा कि अवैध कब्जों और भूमाफियाओं के खिलाफ अभियान, जरूरतमंदों की सहायता तथा 'गरीब का गृह प्रवेश' जैसी पहलें जनहित में लगातार जारी रहेंगी। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (भू-अर्जन), सिटी मजिस्ट्रेट तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तेरहवीं के बाद घर लौटा 'मृतक', गाजियाबाद में जिंदा शख्स की वापसी से मचा हड़कंप

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कौशाम्बी और मसूरी थाना क्षेत्रों से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने पुलिस, परिजनों और स्थानीय लोगों को हैरान कर दिया है। जिस व्यक्ति को परिवार और पुलिस रिकॉर्ड में मृत मान लिया गया था, उसकी तेरहवीं होने के बाद वह अचानक जीवित घर लौट आया। इस घटना ने शव की पहचान प्रक्रिया और पुलिस जांच प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वैशाली स्थित कल्पना अपार्टमेंट निवासी 38 वर्षीय गिरधर सिंह बिष्ट का 16 मई को स्थानीय दुकानदारों से विवाद हो गया था। इसके बाद पुलिस ने शांति भंग की आशंका में उसे 151 सीआरपीसी के तहत गिरफ्तार कर डासना जेल भेज दिया। 21 मई को जेल से रिहा होने के बाद गिरधर घर नहीं पहुंचे, जिससे परिजनों ने उनकी तलाश शुरू कर दी।

इसी बीच 13 जून को मसूरी थाना क्षेत्र में एक लावारिस शव मिला। परिजनों ने शव की पहचान गिरधर सिंह बिष्ट के रूप में करते हुए अंतिम संस्कार कर दिया। इसके बाद परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए कौशाम्बी थाने पर हंगामा किया और मसूरी थाने में हत्या का मुकदमा भी दर्ज कराया। मामले में उस समय अप्रत्याशित मोड़ आ गया, जब गिरधर सिंह बिष्ट अचानक अपने घर लौट आए। उन्होंने बताया कि वह नाराज होकर पंजाब में एक सत्संग में चले गए थे और अब वापस लौटे हैं। गिरधर की वापसी के बाद कई सवाल उठ रहे हैं। जिस शव का अंतिम संस्कार किया गया, वह आखिर किसका था? पहचान की प्रक्रिया में चूक कैसे हुई? क्या डीएनए जांच या अन्य वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग नहीं किया गया? साथ ही, हत्या के आरोपों के आधार पर जिन लोगों को जांच और पूछताछ का सामना करना पड़ा, उनकी स्थिति अब क्या होगी?